RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर शुक्रवार ● 20 अक्टूबर , 2023 वर्ष:-11 अंक - 174 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

छठवां स्वरूप कात्यायनी

सूक्ष्म जगत जो अदृश्य, अव्यक्त है, उसकी सत्ता माँ कात्यायनी चलाती हैं। वह अपने इस रूप में उन सब की सूचक हैं, जो अदृश्य या समझ के परे है। माँ कात्यायनी दिव्यता के अति गुप्त रहस्यों की प्रतीक हैं।

नवरात्रि विशेषः कामाख्या मंदिर

तंत्र क्रियाओं के लिए प्रसिद्ध है यह पीठ, 15 दिन मनती है नवरात्रि

भक्त वो चंडीपाठ करते हैं जो रावणवध से पहले श्रीराम ने किया था

गुवाहाटी (एजेंसी)। हम आज आए हैं असम के कामाख्या शक्तिपीठ। यहां देवी को योनि रूप में पूजा जाता है। ये मंदिर तंत्र क्रियाओं के लिए प्रसिद्ध है। कामाख्या मंदिर गुवाहाटी से करीब 10 किमी दूर नीलांचल पहाड़ी पर स्थित है। मंदिर के पास ही ब्रह्मपुत्र नदी बह रही है। इस जगह पर देवी सती का योनि भाग गिरा था। माना जाता है कि

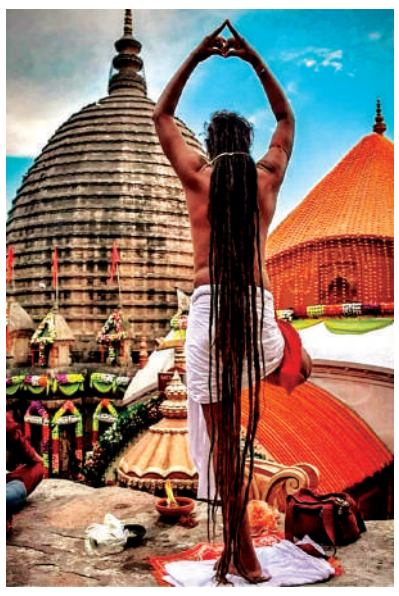

कामाख्या में जो मंदिर मौजूद है, उसका निर्माण 15वीं सदी में हुआ था। मंदिर के प्रवेश द्वार को लाल, पीले, सफेद और गुलाबी रंग के फूलों से सजाया गया है। मंदिर तक ऊपर सीढ़ियों से जाने वाली वाली गली के दोनों तरफ प्रसाद की दुकानें सुबह होने से पहले ही खुल चुकी हैं। मिठाई की दुकानों के मालिक भक्तों को प्रसाद लेने के लिए आवाज लगा रहे हैं।देशभर में नवरात्रि नौ दिन तक मनाई जाती है, लेकिन कामाख्या मंदिर में इस बार ये पर्व 16 दिनों का है। दरअसल, यहां नवरात्रि कृष्ण पक्ष की नवमी से शुरू होकर अश्विन शुक्ल पक्ष की नवमी तक चलती है। अगर तिथियां घटती नहीं हैं तो 16 दिन नवरात्रि मनाते हैं, जैसे इस साल तिथि घट नहीं रही है।

कमलनाथ को सीएम बनाने श्मशान पूजा पर सीएम का तंज

शिवराज बोले, जादू टोना कर चुनाव जीतना चाहते हैं लोग

हम काम के आधार पर मांग रहे सपोर्ट

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने बीजेपी के हाईटेक रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बीजेपी सरकार ने सभी वर्ग की कल्याण के काम किए हैं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के मन में मोदी और एमपी के मन में मोदी हैं। उन्होंने पूर्व सीएम कमलनाथ द्वारा मुख्यमंत्री बनने के लिए उज्जैन में कराई गई तांत्रिक पूजा पर तंज कसते हुए कहा कि अब लोग प्रदेश में जादू-टोना के आधार पर चुनाव जीतना चाहते हैं। लोगों को अब अपने आप पर भरोसा ही नहीं रहा है। हम भी दूसरे उपाय करते हैं मगर जादू-टोना नहीं बल्कि भगवान महाकाल की पूजा-अर्चना करते हैं। प्रदेश भाजपा कार्यालय से हाईटेक रथों को रवाना करने के बाद सीएम चौहान ने कहा कि जनता की सेवा करो, प्रदेश का विकास करो, लोगों का कल्याण करो। यह हमने किया है और हम उसके आधार पर हम वोट मांगने जा रहे हैं, श्मशान घाट में पूजा करने वालों का कैसे भला होगा। चौहान ने कहा कि देश की, प्रदेश की और प्रदेश की जनता की पूजा होती है, सात्विक पूजा होती है, मैं उज्जैन महाकाल बाबा की पूजा अर्चना करता हूं, ऐसी पूजा के बारे में सुनकर मुझे आश्चर्य होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने योजनाएं बंद करने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी जीतने के लिए तांत्रिक पूजा करा रही है, हम जनता के

बीच में जाकर वोट मांग रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का मध्य प्रदेश और वहां की जनता से अतुल्य रिश्ता है। उसी तर्ज पर आज मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी द्वारा एमपी के मन में मोदी महाअभियान के अंतर्गत स्वच्छ वैन को हरी झंडी दिखाई गई। इसके माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मध्य प्रदेश की जनता के लिए लिखे गए पत्र भी जनता तक पहुंचाए जाएंगे। साथ ही उस पत्र पर एक क्यूआर कोड मौजूद है जिसे स्कैन करने पर एमपी के मन में मोदी वेबसाइट का अवलोकन किया जा सकेगा। वेबसाइट पर अभियान का थीम सांग तथा अभियान से सम्बंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां मौजूद हैं। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश की जनता से निवेदन किया जाएगा कि वह प्रदेश की उन्नति और विकास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साथ दें और मध्य प्रदेश के बढ़ते कदम में अपनी सहभागिता पिछले 20 वर्ष की तरह आगे भी निभाने के लिए वेबसाइट अथवा 7000230230 डॉयल कर संकल्प लें। स्वच्छ वैन के माध्यम से प्रदेश भर की समस्त 230 विधासभा क्षेत्रों में भाजपा सरकार के 20 वर्षों के विकास एवं कांग्रेस के दौरान हुए मध्य प्रदेश के विनाश की गाथा भी जनता तक पहुंचाई जाएगी।

7 साल के भतीजे की हत्या कर की खुदकुशी

भोपाल में चाचा ने बच्चे को तालाब में फेंका, लोगों ने देखा तो खुद भी कूदा

भोपाल। भोपाल में एक शख्स ने अपने 7 साल के भतीजे को तालाब में फेंक दिया। लोगों ने देखा, तो पकड़े जाने के डर से खुद भी छलांग लगा दी। जहांगीराबाद पुलिस ने दोनों की शव बरामद किए हैं। घटना गुरुवार को पुलिस मुख्यालय के पीछे की है। थाना प्रभारी अजय तिवारी ने बताया कि कैसर ताज (24) निवासी ताज किराना स्टोर वाला मकान, चिकलोद रोड पर परिवार समेत रहता है। गुरुवार दोपहर उसने अपने भतीजे अहमद ताज (7) पिता फैसल ताज को लेने के लिए स्कूल पहुंचा। यहां से वह उसे खटलापुरा छोटे तालाब पर लेकर पहुंचा। यहां उसने बच्चे को पानी में फेंक दिया। इसी दौरान रायसेन के रहने वाले शख्स ने उसे ऐसा करते देख लिया। उसने शोर मचाते हुए आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया। पकड़े जाने के डर से कैसर ताज ने खुद भी पानी में छलांग लगा दी। मौजूद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तलाशी के दौरान दोनों के शव तालाब से निकाल लिए हैं। कैसर ने यह क्यों किया फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कैसर का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। वह शादीशुदा है और एक बच्चा भी है। कैसर और बड़े भाई फैसल के अलावा उसकी दो बहनें हैं। कैसर का 6 साल का बेटा साद है। वह भतीजे अहमद के साथ उसी स्कूल में एक साथ पढ़ता है। कैसर गुरुवार दोपहर स्कूल पहुंचा, जहां से उसने केवल भतीजे को साथ लिया। बेटा भी स्कूल की छुट्?टी के बाद बाहर ही मौजूद था।

जब तक जिंदा रहेंगे, आप लोगों के साथ संबंध रहेगा

भाजपा नेताओं की तरफ इशारा कर बोले सीएम नीतिश

मोतिहारी (एजेंसी)। सीएम नीतीश कुमार ने गुरुवार को बीजेपी नेताओं की तरफ इशारा करके कहा कि छोड़ो न यार, हम लोग कोई अलग थोड़े हैं। जब तक हम जीवित रहेंगे, हमारी दोस्ती रहेगी। वह मोतिहारी के गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। मोतिहारी यूनिवर्सिटी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मैं मनमोहन सिंह के समय केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मिला। उन्होंने खाना खिलाया, लेकिन यूनिवर्सिटी देने से मना कर दिया। इस दौरान मंच पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति का बिहार दौरे के दूसरा दिन है। राष्ट्रपति ने महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी के टॉपर्स का सम्मान किया। कार्यक्रम में मोतिहारी से भाजपा सांसद राधामोहन सिंह, जिले के सभी भाजपा विधायक भी मौजूद थे। नीतीश कुमार ने कहा- वो तो 2014 में जब केंद्र में नई सरकार आई तो मोतिहारी में बापू के नाम पर सेंट्रल यूनिवर्सिटी खोलने का फैसला लिया। 2016 से यहां काम भी शुरू हो गया। हमने जमीन दी है। अगर बिल्डिंग बनाने के लिए सहयोग चाहिए तो हम देंगे। कार्यक्रम में पास आउट 898 स्टूडेंट्स को डिग्री दिया गया। इनमें से 10 टॉपर्स को राष्ट्रपति के हाथों मेडल दिया। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं आम लोगों के प्रवेश पर रोक रही। राष्ट्रपति करीब दो घंटे के कार्यक्रम के बाद पटना वापस निकल गईं। राष्ट्रपति देर शाम पटना एम्स के भी दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी। पटना एम्स के दीक्षांत समारोह में

पूरे 1 घंटे 5 मिनट तक रहेंगी। राष्ट्रपति के कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के डीन प्रो. प्रसून दत्त सिंह के शामिल होने पर रोक लगा दी गई थी। प्रसून दत्त सिंह के खिलाफ 23 सितंबर को झारखंड के जमेशदपुर स्थित साक्षी थाना में हत्या के प्रयास समेत आईपीसी की अलग-अलग धाराओं में आपराधिक मामला दर्ज है। इसके लिए मोतिहारी पुलिस की ओर से कुलपति को लेटर लिखा गया था। इस पर कुलपति ने डीन की एंट्री पर रोक लगा दी।

पीएम मोदी ने एमपी की जनता के नाम लिखा पत्र

डबल इंजन सरकार के लिए मांगा सभी का समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश की जनता के नाम एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होने बीजेपी शासनकाल में हुए विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए जनता से समर्थन मांगा है। पीएम मोदी ने लिखा है, %मुझे पूरा विश्वास है कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में आप मुझ तक अपना समर्थन पहुंचाएंगे और इस बार डबल इंजन की सरकार बनाएंगे। ये पत्र आज बीजेपी प्रदेश कार्यालय में सीएम शिवराज सिंह चौहान और वीडी शर्मा ने कई नेताओं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में जारी किया। पीएम मोदी ने लिखा, %मेरे प्यारे मध्य प्रदेश वासियों,नर्मदा की इस पावन धरा को मेरा प्रणाम। मैं जब भी मध्य प्रदेश आता हूं, मेरे प्रति इतना प्रेम और मुझे अपार ऊर्जा मिलती है। आज मध्य प्रदेश

वीरगति से आगे बढ़ रहा है वह हमारे लिए अत्यंत हर्ष की बात है। पिछले 20 वर्षों में मध्य प्रदेश बीमारू राज्य के अपने अतीत से निकल कर सशक्त, समृद्ध और स्वावलंबी बना है। कौन भूल सकता है 2003 से पहले के मध्य प्रदेश को, जहां सुविधाओं का अभाव था। पिछले 20 वर्ष से जो भरोसा आपने हम पर दिखाया है उसके मध्यप्रदेश देश की टॉप 10 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है।

चेतावनी! यूपी और बिहार में बढ़ सकता है जल संकट

घटते जल स्तर ने बढ़ाई सभी की चिंता, रिसर्च में किया गया बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में घटता जमीन के नीचे का जल स्तर आने वाले दिनों में मुश्किल पैदा कर सकता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में ये स्तर 10 साल के औसत से 35 और 25 फीसदी से ज्यादा नीचे आ गया है। दक्षिण भारत में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। भारतीय रिजर्व बैंक भी इन वजहों से महंगाई के ऊपर दबाव की बात स्वीकर चुका है। पूरे देश की बात की जाए तो जलाशय स्तर, फुल रिजर्वियर लेवल यानि एफआरएल पर 29 सितंबर 2023 को 73 फीसदी पर था, जो इससे एक साल पहले 89 फीसदी पर था। इसका 10 वर्षों का ऐतिहासिक स्तर 79 फीसदी हुआ करता था। जलाशय का ये स्तर सितंबर के आखिरी दो से तीन हफ्तों में हुई तेज बारिश के बाद पहुंचा है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि अक्तूबर में अगर अच्छी बारिश हुई तो ये स्तर सुधर सकता है और रबी की फसल की बुआई समय से हो पाएगी। इक्रा रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबकि तमिलनाडु, कर्नाटक उत्तर प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश में जलाशय के ऐतिहासिक स्तर और मौजूदा स्तर में भारी अंतर देखने को मिला है। राजस्थान, तेलंगाना, गुजरात, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में ये ऐतिहासिक स्तर से ऊपर है या फिर कम गिरावट है।

सुविधा एप से उम्मीदवार भर सकेंगे ऑनलाइन नामांकन

21 अक्टूबर से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की समीक्षा

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और 230 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। श्री राजन ने जिला निर्वाचन अधिकारियों और रिटर्निंग अधिकारियों को 21 अक्टूबर से प्रारंभ होने वाली नामांकन प्रक्रिया के बारे विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। श्री राजन ने कहा कि कोई भी अभ्यर्थी ऑफलाइन रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर या सुविधा एप के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन भी दाखिल कर सकता है। निक्षेप (जमानत) राशि का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से कर सकता है। श्री राजन ने बताया कि नामांकन फॉर्म के साथ अभ्यर्थी को फॉर्म 2 बी नामांकन फार्म, फॉर्म 26, शपथ पत्र व बैंक खाते की जानकारी सहित अन्य सभी जरूरी दस्तावेज अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे। नामांकन भरने की अंतिम तिथि आगामी 30 अक्टूबर है।

ग्लोबल हुआ रामलला का दानपात्र, मिल गई मंजूरी

अब विदेशों से भी आ सकेगा फंड, गृह मंत्रालय ने दी एफसीआरए लाइसेंस की मंजूरी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के लिए विदेशों में रह रहे भारतीय एवं अन्य लोग भी दान कर सकेंगे। इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को एफसीआरए लाइसेंस की मंजूरी दी। इसके बाद अब ट्रस्ट देश से बाहर रह रहे लोगों से दान स्वीकार कर सकेगा। गृह मंत्रालय की विदेश डेस्क की ओर से बुधवार को इस संबंध में मंजूरी प्रदान की गई। ट्रस्ट ने सोशल मीडिया पर बताया, %गृह मंत्रालय के एफसीआरए सेक्शन ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पंजीकरण को मंजूर कर लिया है। अब विदेशों से स्वैच्छिक दान को स्वीकार किया जा सकेगा। इस मंजूरी के तहत कुछ तय बैंक खातों में ही रकम को स्वीकार किया जा सकेगा। किसी अन्य ब्रांच या फिर खाते में विदेशों से राम मंदिर के नाम पर चंदा नहीं लिया जा सकेगा। नियमों के मुताबिक कोई भी संस्थान या ट्रस्ट विदेशों से फंड स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में खोले गए एफसीआरए अकाउंट में ही स्वीकार कर सकेगा। यह अकाउंट भी दिल्ली की संसद मार्ग स्थित एसबीआई शाखा में ही खुलता है। इसी साल जून में राम मंदिर निर्माण से जुड़े ट्रस्ट ने एफसीआरए लाइसेंस के लिए गृह मंत्रालय में आवेदन किया था।

ब्रह्मोस मिसाइल फिलीपींस के लिए बनेगी ब्रह्मास्त्र!

चीन के पास नहीं है इसकी कोई काट, बना आंख का नासूर

मनीला (एजेंसी)। दक्षिण चीन सागर ऐतिहासिक रूप से काफी अशांत इलाका रहा है। सदियों से इस क्षेत्र में बसे देश आपस में जंग लड़ते आए हैं, जो आज भी जारी है। चीन लंबे समय से दक्षिण चीन सागर के 90 फीसदी हिस्से पर अपना दावा करता है। इससे न सिर्फचीन के पड़ोसियों बल्कि वैश्विक महाशक्तियों के साथ भी चीन के संबंध तनावपूर्ण हुए हैं। इसी दक्षिण चीन सागर के किनारे बसा फिलीपींस इस समय चीन की आंख का नासूर बना हुआ है। चीन दक्षिण चीन सागर में स्थित सेकेंड

थामस शोल नाम के एक छोटे से द्वीप पर अपना दावा करता है। चीन का कहना है कि यह द्वीप स्प्रैटली द्वीप समूह का हिस्सा है। इसी को लेकर चीन और फिलीपींस की नौसेनाएं कई बार आमने-सामने भी आ चुकी हैं। लेकिन, अब चीन की विशाल सैन्य शक्ति को भारी नुकसान पहुंचाने के लिए फिलीपींस भी अपनी ताकत को बढ़ा रहा है। फिलीपींस ने चीन की आक्रामकता को देखते हुए भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी विकसित की। इसके बाद फिलीपींस ने भारत से ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम को खरीदा। ब्रह्मोस मिसाइल एक दुर्जेय रक्षात्मक हथियार है, जो न केवल फिलीपींस की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाता है, बल्कि एक गहरा भू-राजनीतिक संदेश भी भेजता है। ब्रह्मोस इतनी खतरनाक मिसाइल है, जिसका काट चीन के पास नहीं है।

ईडी को धारा 50 में गिरफ्तारी का नहीं है अधिकार

एचसी ने कहा-इसमें एजेंसी को समन जारी करने, डॉक्यूमेंट्स देखने की पॉवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार 19 अक्टूबर को कहा कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (क्क्रक्र) की धारा 50 के तहत श्वष्ठ (प्रवर्तन निदेशालय) को किसी व्यक्ति को समन जारी करने का अधिकार है, लेकिन गिरफ्तारी का नहीं। जस्टिस अनूप जयराम भंभानी ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि क्क्रक्रकी धारा 50 के तहत किसी व्यक्ति को समन जारी करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और बयान दर्ज करने का अधिकार है, जिसका अधिकार किसी भी सिविल कोर्ट को होता है। वहीं, क्क्रक्रकी धारा 19 के तहत किसी शख्स को गिरफ्तार करने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि अगर श्वष्ठ किसी शख्स को धारा 50 के तहत समन जारी करती है, लेकिन बाद में उसे गिरफ्तार कर लेती है। ऐसी स्थिति में जब शख्स कोर्ट को बताएगा कि एजेंसी ने मुझे पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन गिरफ्तार कर लिया तो कोर्ट उसे आसानी से बरी कर देगी। श्वष्ठ ने साल 2020 में आशीष मित्तल के खिलाफ श्वष्टढ्ढक्रके तहत केस दर्ज किया था। आशीष ने श्वष्ठ की ओर से दर्ज केस को खत्म करने के लिए कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। आशीष ने श्वष्टढ्ढक्र के तहत श्वष्ठ की ओर से केस में किसी भी कार्रवाई को रोकने की मांग की थी। श्वष्ठ ने याचिकाकर्ता को 21 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया था। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने क्क्रक्रकी धारा 50 के तहत श्वष्ठ को मिले अधिकारों का जिक्र किया। आशीष मित्तल ने कोर्ट में बताया कि उनके खिलाफ श्वष्ठ ने श्वष्टढ्ढक्र के तहत केस दर्ज किया, लेकिन उन्हें इसकी कॉपी नहीं दी।

संक्षिप्त समाचार

साढ़े आठ लाख से अधिक की मदिरा व समाग्री अब तक जप्त हुई

विदिशा (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन 2023 की आचार संहिता प्रभावशील तिथि से लेकर अब तक आबकारी विभाग के द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर 71 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। जिला आबकारी अधिकारी श्री विनय रंगशाही ने बताया कि जप्त प्रकरणों में मदिरा व महुआ लाहन का बाजार मूल्य 8 लाख 46 हजार 400 रुपए आकलित की गई है। जप्त मदिरा की मात्र 1394.12 लीटर तथा महुआ लाहन की मात्रा 5180 लीटर शामिल हैं।

व्यय प्रेक्षक नियुक्त

विदिशा (निप्र)। निर्वाचन आयोग द्वारा विदिशा जिले की पांचों विधानसभाओं के लिए दो व्यय प्रेक्षक नियुक्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी पत्र का हवाला देते हुए बताया कि आईआरएस 2011 बैच के श्री प्रभार रंजन तीन विधानसभा क्रमशः कुरवाई (अजा) सिरोंज एवं शमशाबाद के लिए व्यय प्रेक्षक नियुक्त किए गए हैं। आईआरएस 2012 बैच के श्री आंनद कुमार जिले की दो विधानसभा क्षेत्र क्रमशः विदिशा एवं बासौदा के लिए प्रेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

मतदाता जागरूकता के लिए बनाए गए सेल्फी पाइंट

सीहोर (निप्र)। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिलेभर में स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिलेभर में स्वीप गतिविधियों के तहत विभिन्न मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है और मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिलेभर में प्रमुख स्थानों पर मतदाता जागरूकता के लिए पाइंट भी बनाए गए है। मतदाता इन सेल्फी पाइंट पर फोटो ले रहे है और मतदाता जागरूकता अभियान से जुड़ रहे है।

12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक भी दिखाकर मतदाता कर सकेंगे मतदान

सीहोर (निप्र)। मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज है परंतु उसके पास किसी वजह से मतदाता परिचय पत्र उपलब्ध नहीं है। तो भी वह मताधिकार का उपयोग कर सकेगा। मतदाता परिचय पत्र के अलावा 12 वैकल्पिक फोटो युक्त दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकेंगे। इसी प्रकार यदि किसी कारण से किसी नागरिक को मतदाता सूचना पर्ची प्राप्त नहीं होती है, लेकिन उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है तो भी वह मतदान कर सकेगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सभी मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र जारी किया जा रहा है। जो मतदाता वोटर आईडी कार्ड प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा। उन्होंने बताया कि 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में आधार कार्ड, मनरेगा जाब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र,राज्य सरकार,पीएसयू,सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक,डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों,विधायकों,एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल है। अप्रवासी भारतीय मतदाताओं (एनआरआई) को केवल पहचान के लिए अपना मूल पासपोर्ट दिखाना होगा। यदि ईपिक में किसी मतदाता के फोटोग्राफ आदि का मिलान न हो पाने के कारण मतदाता की पहचान करना संभव नहीं है, तो उस मतदाता को उपरोक्त 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा।

रेत का अवैध परिवहन पाये जाने पर 4 वाहन जप्त किये

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री ऋषि गर्ग के निर्देश पर जिले में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिये खनिज विभाग द्वारा 17 एवं 18 अक्टूबर को छीपानेर रोड़ हरदा एवं हंडिया तहसील के ग्राम मनोहरपुरा में भ्रमण कर वाहनों की जांच कर कार्यवाही की गई। इस दौरान छः पहिया 2 डम्पर वाहन एवं बारह पहिया 2 डम्पर वाहनों पर कार्यवाही की गई। खनिज अधिकारी श्री आर.पी. कमलेश ने बताया कि उन्होने खनिज अमले के साथ मंगलवार को छीपानेर रोड़ हरदा में भ्रमण कर रेत परिवहन करते डम्पर वाहन को रोककर पूछताछ की। चालक के पास रेत परिवहन के लिये अभिवहन पास नहीं पाये जाने पर डम्पर क्रमांक एमपी 47 एच 0239 को जप्त कर थाना कोतवाली हरदा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया। खनिज अधिकारी श्री आर.पी. कमलेश ने बताया कि उन्होने ग्राम मनोहरपुरा में वाहनों की जांच के दौरान 2 डम्पर वाहन क्रमांक एमपी 47 एच 7077 तथा एमपी 66 एच 2481 एवं छः पहिया 1 डम्पर वाहन बिना नम्बर अवैध करते पाये जाने पर तीनों वाहनों को जप्त कर थाना हंडिया में सुरक्षार्थ अभिरक्षा में खड़ा किया गया। प्रभारी खनिज अधिकारी हरदा ने बताया कि मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम के प्रावधान अनुसार सभी वाहनों के प्रकरण तैयार कर अर्थदण्ड जमा करवाने की कार्यवाही की जावेगी।

मतदाताओं को जागरूक करने रायसेन में शास. कर्मचारियों ने निकाली वाहन रैली स्वीप नोडल अधिकारी ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

रायसेन (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन-2023 में रायसेन में शत-प्रतिशत मतदान कराने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार रायसेन जिले में मतदाता जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में रायसेन में शासकीय कर्मचारियों द्वारा विशाल दो पहिया वाहन रैली निकाली गई, जिसे स्वीप नोडल अधिकारी और जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा शास. हाईस्कूल कलेक्ट्रेट कॉलोनी से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में चल रहे शिक्षक अपने वाहनों पर मतदाता जागरूकता संबंधी स्लोगन लिखी हुई तख्तियां रखे हुए थे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री एमएल राठौरिया सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्वीप प्लान अंतर्गत रायसेन खेल स्टेडियम में 20 अक्टूबर को होगी एथलेटिक्स प्रतियोगिता

रायसेन (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन-2023 को ध्यान में रखते हुए स्वीप प्लान अंतर्गत मतदाताओं को जागरूक कर अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित कराने के लिए विकासखण्ड बाड़ी, विकासखण्ड बेगमगंज और विकासखण्ड सिलवानी में स्थानीय शैक्षणिक शासकीय और शासकीय संस्थाओं के मध्य स्वीप कप प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिनमें कबड्डी, फुटबॉल, दौड़, व्हालीबाल आदि खेल आयोजित किए जाएंगे। इसी श्रृंखला में 20 अक्टूबर को रायसेन स्थित जिला खेल परिसर में एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी विकासखण्डों के खिलाड़ी भाग लेंगे।

पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण शुरू हुआ

विदिशा (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए विदिशा जिले के सभी सातों विकास खण्डों में पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ जो बीस तक जारी रहेगा। जिले में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव के मार्गदर्शन में विधानसभा निर्वाचन की तैयारियां जोरो पर की जा रही है। जिले में मतदान दलों के प्रथम चरण का प्रशिक्षण विकास खण्ड मुख्यालय पर प्रारंभ हो गए है। जो 20 अक्टूबर तक चलेगा। दूसरे दिन मास्टर ट्रेनर्स व्दारा मतदान दल के कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व, मतगणना एजेंटों की मतदान केंद्र पर नियुक्ति, मतदान केंद्र पर एक दिन पूर्व की जाने वाली कार्यवाही, मतदान के पूर्व की तैयारी एवं माकपोल, मतदान की पूर्व तैयारी एवं माकपोल, माकपोल का क्रम, माकपोल के दौरान मशीनों का परिवर्तन, माकपोल के पश्चात मशीनों की सीलिंग, वास्तविक मतदान प्रारंभ, मतदान केन्द्र में प्रवेश हेतु अनुमत्त व्यक्ति, मतदान केंद्र पर मतदाताओं के प्रवेश का विनिमय, मतदान केंद्र और आस पास निर्वाचन विधि का प्रवर्तन, मतदान प्रक्रिया, मतदान के दौरान की विशेष स्थितियां, बैटरी का विस्थापन, व्हीव्हीपीएटी पेपर स्लिप पर गलत प्रिंट, मतदान समाप्ति पर कार्यवाही, निर्वाचन अभिलेख तैयार करना एवं पैकिंग, किंग, बुकलेट प्रपत्र, आदि की जानकारी दी गई। इसके अलावा पीठासीन अधिकारियों कोड नाट, डू नाट की जानकारी दी गई है। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षणार्थियों की निर्वाचन संबंधी अनेक जिज्ञासा का समाधान किया है।

मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई

सीहोर (निप्र)। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिलेभर में स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिलेभर में स्वीप गतिविधियों के तहत विभिन्न मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है और मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैरून्दा तथा शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातक महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। मतदान है जरूरी, बच्चा-बच्चा करें पुकार मतदान करना सभी का अधिकार, सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो जैसे नारों के साथ छात्राओं ने मतदाता जागरूकता का संदेश दिया और मतदाता को मतदान के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही सीएम राइज स्कूल जावर सहित अनेक स्कूलों में मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान अनेक छात्र-छात्राओं एवं स्कूल स्टॉफ ने मतदाता जागरूकता की शपथ ली।

अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेंज

विदिशा (निप्र)। निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के लिए जारी कार्यक्रम के अनुसार 21 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी और इसी दिन से नाम निर्देशन पत्रों की प्राप्ति का कार्य शुरू हो जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव ने बताया कि विदिशा एवं बासौदा विधानसभा क्षेत्र के नाम निर्देशन पत्र जिला मुख्यालय पर संबंधित विधानसभा के रिटर्निंग आफीसर द्वारा प्राप्त किए जाएंगे इसके लिए विदिशा अनुविभागीय दण्डाधिकारी के न्यायालय कक्ष में विदिशा विधानसभा के तथा तहसीलदार न्यायालय कक्ष में शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र के नाम निर्देशन पत्र रिटर्निंग आफीसर के द्वारा प्राप्त किए जाएंगे जबकि बासौदा, कुरवाई एवं सिरोंज विधानसभा क्षेत्र के नाम निर्देशन पत्र संबंधित रिटर्निंग आफीसर द्वारा स्थानीय अनुविभागीय दण्डाधिकारी न्यायालय कक्ष में प्राप्त किए जाएंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा अभ्यर्थियों को नाम निर्देशन पत्र के साथ जो दस्तावेंज प्रस्तुत करने होंगे कि जारी सूची अनुसार नाम निर्देशन पत्र (2ख) मान्यता दल की ओर से एक प्रस्तावक तथा निर्दलीय की स्थिति में दस प्रस्तावक होना अनिवार्य है। शपथ पत्र प्रारूप 26, जमानत राशि सामान्य एवं अन्य अभ्यर्थी के लिए दस हजार, अनुसूचित एवं जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को निक्षेप राशि पांच हजार रूपए देय होगी। जाति प्रमाण पत्र यदि लागू होता है तो संलग्न करना होगा। अभ्यर्थियों को नाम निर्देशन पत्र के साथ 12 फोटोग्राफ (साइज 2 बाई 2.5 सेन्टीमीटर) की तथा अभ्यर्थी का घोषणा पत्र, निर्वाचक नामावाली की प्रमाणित प्रति अभ्यर्थी तथा प्रस्तावक यदि भिन्न विधानसभा के है तो देना अनिवार्य होगा। बैंक पासबुक की छायाप्रति, विवरण हेतु फार्म तथा यदि अभ्यर्थी मान्यता प्राप्त दल का है तो फार्म ए तथा बी संलग्न करना होंगे।

सी-विजिल पोर्टल पर अपडेट करने के मापदण्डो से प्रशिक्षित हुए

विदिशा (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन 2023 की आचार संहिता सहित अन्य शिकायतो पर त्वरित संज्ञान में लाने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल पोर्टल एप्लीकेशन पर प्राप्त होने वाली शिकातयो का सौ मिनिट के भीतर निराकरण किया जाता है।

विदिशा जिले में सी-विजिल पोर्टल पर अपडेट जानकारियां दर्ज करने व प्राप्त शिकायतो का निराकरण सौ मिनिट के भीतर हो इसके लिए सी-विजिल पोर्टल एप्लीकेशन के यूजर्स बनाए जाने तथा उपयोग के संबंध में प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कलेक्टेउट कार्यालय के बेतवा सभागार में आयोजित उपरोक्त प्रशिक्षण में मास्टर टेऊनर्स व लोक सेवा केन्द्र के जिला प्रबंधक श्री अमित अग्रवाल के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।

इस दौरान अनेक प्रशिक्षणार्थियों ने अनेक शंकाओं का समाधान भी प्राप्त किया है उक्त प्रशिक्षण में लीड़ बैंक आफीसर श्री नरेश मेघानी समेत विभिन्न बैंको के शाखा प्रबंधक व नोडल अधिकारी मौजूद रहें।

मतदान कार्मिक प्रशिक्षण में मतदान की प्रक्रिया को अच्छे से सीखें : कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी

अनुपपुर (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन में मतदान का कार्य महत्वपूर्ण है। जिसको जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के लिए सभी प्रक्रियाओं को समझने व हैण्डऑन करने के लिए प्रशिक्षण की सभी बारीकियों को ध्यान से सीखने के साथ ही उसे आत्मसात करना आवश्यक है। उक्ताशय के विचार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष वशिष्ठ ने एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर में संचालित पीठासीन अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्य का जायजा लेते हुए प्रशिक्षणार्थी शासकीय सेवकों से चर्चा करते हुए व्यक्त की। उन्होंने निर्वाचन प्रशिक्षण ले रहे पीठासीन अधिकारियों को मतदान करवाने की प्रक्रिया को अच्छे से सीखने को कहा। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी का दायित्व बहुत ही जिम्मेदारी का है। क्योंकि वह मतदान दल का प्रमुख होता है। इसलिए सभी पीठासीन अधिकारियों को मतदान कार्य को निर्बाध सम्पादित करने के लिए प्रशिक्षण में दी जा रही जानकारियों को बारीकी से समझना नितांत आवश्यक है। ताकि मतदान के दिन यदि कोई

समस्या आई तो उसका तत्काल निराकरण किया जा सके। विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतदान कार्य हेतु 17 से 22 अक्टूबर 2023 तक एकलव्य आवासीय विद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण के दूसरे दिन पीठासीन अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर्स द्वारा अलग-अलग कक्षों में चुनाव संबंधी दायित्वों के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रषिक्षणार्थियों को ईवीएम और वीवीपैट मषीन की गतिविधियों को स्वयं संचालित करने का प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रशिक्षण में उपस्थित पीठासीन अधिकारियों को पोस्टल बैलेट प्राप्त करने के निर्देष भी दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में मतदान करवाने के साथ-साथ अपने मताधिकार का उपयोग भी करना जरूरी है। इसलिए सभी पोस्टल बैलेट प्राप्त कर लें।

स्वीप गतिविधियों के तहत की गई वॉल पेंटिंग

सीहोर (निप्र)। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिलेभर में स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिलेभर में स्वीप गतिविधियों के तहत विभिन्न मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसी प्रकार में मतदाता जागरूकता के लिए सीएम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आष्टा में वॉल पेंटिंग की गई। पेंटिंग में मतदान केन्द्र और मतदाताओं द्वारा वोट डालने की प्रक्रिया को दर्शाया गया और मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया।

राजनैतिक दल या अभ्यर्थी ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल न हों जो विधि के अधीन भ्रष्ट आचरण एवं अपराध है, राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के लिए दिशा निर्देश

सीहोर (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन-2023 की आदर्श आचरण संहिता 9 अक्टूबर से प्रभावशील है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श चुनाव आचरण संहिता के संबंध में राजनीतिक दलों और प्रत्याशियो के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए है। आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार सामान्य आचरण के तहत किसी भी राजनीतिक दल या अभ्यर्थी को ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होना चाहिए, जिससे भिन्न जातियों और धार्मिक या भाषायी समुदायों के बीच विद्यमान मतभेद अधिक गंभीर हो सकते हैं या परस्पर नफरत हो सकती है या तनाव पैदा हो सकता है। राजनीतिक दलों की आलोचना की जाए, तो यह उनकी नीतियों और कार्यक्रमों, तक रिकॉर्ड और कार्य तक ही सीमित रखी जाएगी। दलों और अभ्यर्थियों को अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं की सार्वजनिक गतिविधियों से असंबद्ध निजी जीवन के सभी पहलुओं की आलोचना करने से बचना होगा। असत्यापित आरोपों या मिथ्या कथन के आधार पर अन्य दलों या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना करने से बचना होगा। मत प्राप्त करने के लिए जाति या संप्रदाय की भावनाओं के आधार पर कोई अपील नहीं की जाएगी। मंदिर, मस्जिद, चर्च और पूजा के अन्य स्थलों को निर्वाचन के प्रचार के मंच के रूप में प्रयुक्त नहीं किया जाएगा। सभी दल और अभ्यर्थी ऐसी सभी गतिविधियों से ईमानदारी से परहेज करेंगे जो निर्वाचन विधि के अधीन भ्रष्ट आचरण एवं अपराध हैं जैसे कि मतदाताओं को घूस देना, मतदाताओं को डराना-धमकाना, मतदाताओं का प्रतिरूपण मतदान केंद्रों से 100 मीटर की दूरी के अंतर्गत प्रचार करना, मतदान समाप्त होने के लिए निर्धारित समय के समाप्त होने वाले 48 घंटों की अवधि के दौरान सार्वजनिक सभाएं आयोजित करना और मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक लाने- ले जाने के लिए परिवहन और वाहन उपलब्ध कराना।

हर व्यक्ति के शांतिपूर्ण और बाधारहित घरेलू जीवन के अधिकार का सम्मान किया जाएगा, फिर चाहे राजनीतिक दल और अभ्यर्थी उनकी राजनीतिक राय या गतिविधियों से कितने भी अप्रसन्न हो। किसी भी परिस्थिति में उनकी राय अथवा गतिविधियों के खिलाफ विरोध जताने के लिए व्यक्तियों के घर के सामने प्रदर्शन आयोजित करने या धरना देने का सहारा नहीं लिया जाएगा। कोई भी राजनैतिक दल या अभ्यर्थी अपने अनुयायियों को किसी भी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी भूमि, भवन, परिसर की दीवारों इत्यादि पर झंडा लगाने, बैनर लटकाने, सूचना चिपकाने, नारा लिखने इत्यादि की अनुमति नहीं देगा। राजनैतिक दल और अभ्यर्थियों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनके समर्थक अन्य दलों द्वारा आयोजित सभाओं और जुलूसों में बाधा खड़ी नहीं करेंगे या उन्हें भंग नहीं करेंगे। किसी राजनैतिक दल के कार्यकर्ता या समर्थक अन्य राजनीतिक दल द्वारा आयोजित सार्वजनिक सभा में मौखिक या लिखित रूप में सवाल पूछकर या अपने दल के पर्चे बॉटकर बाधा उत्पन्न नहीं करेंगे।

किसी दल द्वारा उन स्थानों के आसपास जुलूस न निकाला जाए, जहाँ अन्य दल की सभाएं आयोजित हो रही हैं। किसी दल के कार्यकर्ता अन्य दल के कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए पोस्टर नहीं हटाएंगे। सभाएं राजनैतिक दल या अभ्यर्थी स्थानीय पुलिस प्राधिकारियों को किसी भी प्रस्तावित सभा के स्थल और समय के बारे में काफी पहले से सूचित करेंगे ताकि पुलिस यातायात को नियंत्रित करने और शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था कर सके। दल या अभ्यर्थी अग्रिम रूप से सुनिश्चित करेगा कि क्या सभा के लिए प्रस्तावित स्थल पर कोई रोक या निषेधाज्ञा लागू तो नहीं है और यदि ऐसे आदेश मौजूद हैं, तो उनका कड़ाई से पालन किया जाएगा। यदि ऐसे आदेशों से किसी रियायत की आवश्यकता हो, तो अग्रिम रूप से इसके लिए आवेदन किया जाएगा और प्राप्त किया जाएगा। यदि किसी प्रस्तावित सभा के संबंध में लाउड-स्पीकरों या किसी अन्य सुविधा के उपयोग के लिए अनुमति या अनुज्ञा प्राप्त करने की आवश्यकता है, तो दल या अभ्यर्थी अग्रिम रूप से संबंधित प्राधिकरण के समक्ष आवेदन करेगा और यह अनुमति या अनुज्ञा प्राप्त करेगा। सभा के आयोजक सभा में बाधा खड़ी करने वाले या अन्यथा अव्यवस्था पैदा करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों से निपटने के लिए ड्यूटी पर तैनात पुलिस की निरपवाद रूप से सहायता प्राप्त करेगा। स्वयं आयोजक ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं करेंगे। जुलूस जुलूस का आयोजन करने वाला दल या अभ्यर्थी जुलूस शुरू करने का स्थान और समय, अनुगमन किए जाने वाले मार्गों और जुलूस समाप्त होने का स्थान और समय पहले से ही तय करेगा। साधारण तौर पर कार्यक्रम में कोई परिवर्तन नहीं होगा। आयोजक स्थानीय पुलिस प्राधिकारियों को कार्यक्रम की अग्रिम सूचना देंगे, जिससे स्थानीय पुलिस प्राधिकारी आवश्यक व्यवस्था कर सकें। आयोजक यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन इलाकों से जुलूस निकालना है, क्या इन इलाकों में कोई प्रतिबन्ध आदेश लागू है और प्रतिबन्ध आदेशों का पालन करेंगे यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विशेष रूप से रियायत नहीं दी गई है।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

बीमारियों से बचाव की तरह डिजिटल लाइफ में साइबर अपराधों से भी बचें

एडिशनल डीसीपी ने भावी डॉक्टर्स को बचाव के टिप्स दिए

इंदौर। पुलिस ने साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस मकसद से लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (क्राइम) राजेश दंडोतिया ने इंडेक्स मेडिकल कॉलेज में साइबर जागरूकता की क्लास ली।

सायबर अवेयरनेस के तहत इंडेक्स मेडिकल कॉलेज के

ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में एडीशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने अपनी 178वीं कार्यशाला में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे करीब 750 स्टूडेंट्स को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के प्रकारों और इनसे बचने के तरीके बताए। उन्होंने पुलिस के पास आने वाले साइबर क्राइम की शिकायतों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के साइबर और फाइनेंशियल फ्रॉड के बारे में जानकारी दी। सभी भावी डॉक्टर्स से कहा कि जिस प्रकार शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सावधानी और ध्यान रख बीमारियों से बचाव करते है, उसी प्रकार सावधानी और जागरूकता रख हम अपनी डिजिटल लाइफ में साइबर अपराधों से बचाव कर सकते हैं। तः डिजिटल ऑनलाइन लेन-देन, सोशल मीडिया आदि का उपयोग करने के समय पूर्ण सावधानी रखें और अपनी निजी जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति से शेयर न करें। इस अवसर पर संस्थान के स्टूडेंटस, सहित स्टाफ भी उपस्थित रहा, जिन्होनें भी साइबर सुरक्षा की इन महत्वपूर्ण सावधानियां को जाना।

निर्वाचन के दौरान आमसभा, जुलूस आदि के लिए 770 आवेदनों को मिली अनुमति, 19 की प्रक्रिया जारी

इंदौर। इंदौर जिले में निर्वाचन के दौरान आमसभा, जुलूस, रैली, वाहन रैली, सामाजिक/धार्मिक आयोजनों आदि की अनुमतियां जारी करने के लिये कलेक्टर कार्यालय में एकल खिड़की स्थापित की गई है। इस एकल खिड़की में 10 अक्टूबर से लेकर अभी तक अनुमतियां संबंधी 789 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें से 770 आवेदनों में अनुमति जारी कर दी गई है, शेष 19 आवेदनों में अनुमति जारी करने की प्रक्रिया जारी है। एकल खिड़की की यह व्यवस्था कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. इलैयाराजा टी के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है। एकल खिड़की के अलावा सभी रिटर्निंग अधिकारी भी अपने स्तर से अनुमतियां जारी कर रहे हैं। एकल खिड़की व्यवस्था के नोडल अधिकारी तथा डिप्टी कलेक्टर चरणजीत सिंह हुड्डा ने बताया कि अभी तक विधानसभा क्षेत्र इंदौर-1 के लिये 142, विधानसभा क्षेत्र इंदौर-2 के लिये 109, विधानसभा क्षेत्र इंदौर-3 के लिये 94, विधानसभा क्षेत्र इंदौर-4 के लिये 82, विधानसभा क्षेत्र इंदौर-5 के लिये 185, विधानसभा क्षेत्र राऊ के लिये 113, विधानसभा क्षेत्र देपालपुर के लिये 10 तथा विधानसभा क्षेत्र सांवेर के लिये 35 आवेदनों में अनुमति जारी की गई है।

इंदौर में निर्वाचन संबंधी 74 शिकायतों का निराकरण

इंदौर। जिले में विधानसभा निर्वाचन के दौरान निर्वाचन संबंधी प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिये बेहतर इंतजाम किये गये हैं। शिकायतों को प्राप्त करने तथा उनके निराकरण संबंधी कार्यवाही के लिये कलेक्टर कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यह कंट्रोल रूम कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इलैयाराजा टी के मार्गदर्शन में कार्य कर रहा है।बताया गया कि इस कंट्रोल रूम में विगत 10 अक्टूबर से लेकर अभी तक कुल 87 शिकायतें प्राप्त हुई, इनमें से 74 शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है शेष 13 शिकायतों के निराकरण की कार्रवाई जारी है। इनमें ऑनलाइन सी- विजिल एप के माध्यम से प्राप्त 56 शिकायतों में से 55 का निराकरण हो गया है। ऑफलाइन प्राप्त 31 शिकायतों में से 19 शिकायतें निराकृत हो चुकी हैशेष शिकायतों के निराकरण की कार्रवाई जारी है यह कंट्रोल रूम नियमित रूप से सतत कार्य कर रहा है।

चुनाव के दौरान रहेगी प्रशासन की सख्ती - शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिये 68 बदमाशों को किया बॉड ओवर

इंदौर जिले में विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये प्रतिबंधात्मक कार्यवाही का सिलसिला जारी है। जिले में विगत दो दिनों में सीआरपीसी की धारा 107-116 के तहत 63 प्रकरण दर्ज कर 77 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। साथ ही 56 प्रकरणों में 68 आरोपियों को बॉण्ड ओवर किया गया। इसी तरह सीआरपीसी की धारा 110 के अंतर्गत 16 प्रकरणों में 18 आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किये गये। जिले में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा निर्देशानुसार निर्वाचन के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये 6699 अनुज्ञप्तिधारी लोगों से शस्त्र जमा कराये जा रहे हैं। जिले में अभी तक 625 शस्त्र जमा हो चुके हैं। शेष लोगों को निर्देश दिये हैं कि वे यथाशीघ्र अपने शस्त्र जमा करा दे। जिले में अवैध रूप से शस्त्र रखने वाले लोगों के विरूद्ध भी कार्यवाही की जा रही है। अभी तक अवैध शस्त्र रखने वाले 6 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई है। वाहनों के दुरूपयोग पाये जाने पर एक एफआईआर दर्ज की गई है। जिले में अवैध रूप से नगद राशि लाने ले जाने पर भी कार्यवाही हो रही है। इसके तहत विधानसभा क्षेत्र इंदौर-3 में 14 लाख 40 हजार रूपये की जप्ती की गई। यह कार्यवाही एफएसटी द्वारा की गई।

मतदान में भी इंदौर बनेगा नंबर वन

- वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिये कर रहे लगातार आयोजन
- जिला प्रशासन गांव-गावं में चला रहा अभियान

इंदौर। जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिये स्वीप अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान में समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। शहर की कॉलोनियों, बस्तियों, मोहल्लों, मल्टियों और ग्रामीण क्षेत्र में पंचायतवार मतदाताओं को जागरूक करने के लिये अनेक जतन किये जा रहे हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इलैयाराजा टी के निर्देश में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार गतिविधियां हो रही हैं। ऐसे क्षेत्र जहां विगत चुनाव में कम मतदान हुआ था वहां विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इंदौर शहर में नगर निगम आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह और ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री

सिद्धार्थ जैन के निर्देशन में मतदाताओं को जागरूक करने और उन्हें मतदान के लिये प्रेरित करने के लगातार प्रयास हो रहे हैं। मतदाता जागरूकता अभियान में समाज के सभी वर्गों का सहयोग लिया जा रहा है। गरबों मे भी विशेष प्रयास मतदाताओं को जागरूक बनाने के लिये किये जा रहे हैं।

बताया गया कि अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया एवं मतदाताओं को मतदान किये जाने हेतु शपथ दिलायी गई। शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। समस्त जनपद पंचायतों में पिछली विधानसभा निर्वाचन 2018 में 50 प्रतिशत से कम मतदान केन्द्रों पर विशेष प्रशिक्षण रखा गया। आजिविका समूह की सदस्यों द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों द्वारा मतदाता जागरूकता के पोस्टर निर्माण किये गये। समस्त ग्राम पंचायतों की दीवारों पर मतदाता जागरूकता के स्लोगन लिखे गये।

शहर में वायरल, डेंगू का जोर, सभी अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़

इंदौर। वायरल की चपेट में हमारा शहर तेजी से आ रहा है। लगभग हर घर में कोई न कोई सदस्य इससे पीड़ित है। शासकीय सहित निजी अस्पतालों में भी मरीजों की लंबी लाइन लगी है। इस बार के वायरल में डेंगू नहीं होने पर भी ब्लड सेल की प्लेटलेट्स कम हो रही है। इस कारण मरीजों को स्वस्थ होने में भी समय लग रहा।

सामान्य वायरल में मरीज चार-पांच दिनों में स्वस्थ हो जाता है। लेकिन वर्तमान में कई मरीजों को स्वस्थ होने में 15 दिन तक का समय लग रहा है। एमवाय अस्पताल ओपीडी में जहां सामान्य दिनों में करीब 2200 मरीज आते थे, वहीं इनकी संख्या बढ़कर अब 4 हजार से ज्यादा हो गई। विशेषज्ञों ने बताया कि अभी वायरल तेजी से फेल रहा है। इस वायरल में मरीजों की ब्लड सेल की प्लेटलेट्स भी कम हो रही है। इसके साथ ही व्हाइट ब्लड सेल भी कम हो रही है। सर्दी, खांसी, बुखार, कफ जमने के साथ ही मरीजों को चक्कर आने की समस्या भी हो रही है। ऐसे में सभी को अधिक सावधानियां रखने की आवश्यकता है। एमवाय अस्पताल ओपीडी के मेडिसिन विभाग में अभी 600 से अधिक मरीज और शिशु रोग विभाग में 500 से अधिक मरीज रोजाना आ रहे हैं।

तरल पदार्थ का अधिक सेवन करें - विशेषज्ञों के मुताबिक मौसम परिवर्तन के कारण हो रहे वायरल से बचाव के लिए तरल पदार्थ का अधिक सेवन करना चाहिए। इससे वायरल की चपेट में आने से बचा जा सकता है। वहीं घर में यदि कोई व्यक्ति बीमार है तो उससे अन्य सदस्यों को दूरी बनाकर रखना चाहिए। बीमार सदस्य की किसी भी चीज को हाथ नहीं लगाना चाहिए। इससे भी वायरल एक-दूसरे में फेल रहा है।

मच्छरों से बचाव के उपाय करें - वर्तमान में डेंगू के मरीज भी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। ऐसे में लोगों को मच्छरों से भी बचाव करने की आवश्यकता है। अपने घर और आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दें। डेंगू के मरीज साफ पानी में पनपते हैं। बच्चों को पुरी बाह के कपड़े की पहनाकर रखें।

प्लेटलेट्स कम हो रही- एमजीएम कॉलेज के एमडी मेडिसिन डॉ संजय दुबे के मुताबिक, अभी डेंगू के साथ जो वायरस चल रहा है, उसमें भी ब्लड सेल की प्लेटलेट्स कम हो रही है। एमवाय अस्पताल में बड़ी संख्या में इसके मरीज आ रहे हैं। ऐसे में लोगों को सावधानियां रखने की आवश्यकता है। तरल पदार्थ का अधिक सेवन करना फायदेमंद है। जबकि, एमडी मेडिसिन डॉ वीडी शर्मा का कहना है कि वायरल के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। मरीज बुखार, ठंड, सूखा कफ, बदन दर्द, कमजोरी आदि की समस्या को लेकर आ रहे हैं। अभी सभी उम्र वर्ग के लोग वायरल की चपेट में आ रहे हैं।

विधानसभा चुनाव के दौरान विज्ञापन होर्डिंग्स लगाये जाने के संबंध में दिशा निर्देश जारी

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के कार्यक्रम की घोषणा की जा चुकी है। घोषित कार्यक्रमानुसार इन्दौर जिले की सभी 09 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 17 नवम्बर 2023 को मतदान होगा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो चुकी है। विधानसभा निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न कराये जाने हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में आदर्श आचरण संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। इसमें कट-आउट, बैनर, पोस्टर, फ्लेक्स, झण्डियां एवं अन्य प्रचार सामग्रियां लगाये जाने के संबंध में दिशा निर्देश है। यह दिशा निर्देश कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अधिकारी डॉ. इलैयाराजा टी ने जारी किये है।

जारी दिशा निर्देशानुसार किसी भी प्रकार के अनाधिकृत कट-आउट, बैनर, पोस्टर, फ्लेक्स, झण्डियां एवं अन्य प्रचार सामग्रियां लगाये जाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगा। संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा प्रचलित विज्ञापन नीति के अन्तर्गत शहर में विभिन्न स्थानों पर विज्ञापनों के होर्डिंग्स पर विज्ञापन प्रदर्शन की अनुमतियां दी गई है। यह अनुमतियां विभिन्न विज्ञापन एजेन्सियों यथा बी.ओ.टी. आपरेटर्स को प्रदान की गई है, जिनसे मासिक एक मुश्त शुल्क नगर निगम द्वारा लिया जाता है। दिन-प्रतिदिन लगाये जाने वाले विज्ञापनों पर सामान्यतः सबंधित स्थानीय निकाय से अनुमति नहीं ली जाती है। विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान ऐसे सभी वैध तथा अनुमति प्राप्त स्थानों पर किसी भी प्रकार की चुनाव से संबंधित अथवा राजनैतिक विज्ञापनों के प्रदर्शनों के लिये निगम से पूर्व अनुमति/अनापत्ति लेना अनिवार्य होगा।

विज्ञापन हेतु कुल आरक्षित स्थलों में से 70 प्रतिशत स्थल निर्वाचन से सम्बन्धित प्रचार-प्रसार हेतु आरक्षित रखे जायेंगे तथा शेष 30 प्रतिशत पूर्वानुसार अनुमति हेतु मुक्त रहेंगे। इन 70 प्रतिशत में से कम से कम 10 प्रतिशत निर्दलीय अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित रखा जायेगा। यदि इनमें आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं तो फिर अन्य को आवंटन किया जा सकेगा। मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को प्राथमिकता दी जायेगी। इस आरक्षण में यह भी ध्यान रखा जायेगा, कि किसी एक दल या अभ्यर्थी को 40 प्रतिशत से ज्यादा स्थल आवंटित न होने पाये। विज्ञापन एजेन्सी, अभ्यर्थी/राजनैतिक दलों से इन विज्ञापन हेतु सम्बन्धित स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित दर से राशि ली जायेगी।

संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा यह अनुमतियां 02 चरणों में जारी की जायेगी। प्रथम चरण वर्तमान से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को चुनाव चिन्ह आवंटन के पूर्व तक रहेगा तथा दूसरा चरण निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को चुनाव चिन्ह आवंटन से प्रारम्भ होकर मतदान समाप्ति से 48 घण्टे पूर्व तक रहेगा। प्रथम चरण में राजनीतिक दलों को तथा द्वितीय चरण में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को यह अनुमति प्रदान की जायेगी।

सबंधित स्थानीय निकाय के क्षेत्राधिकार के समस्त वैध विज्ञापन स्थानों पर राजनैतिक विज्ञापन/चुनाव संबंधी विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिये व्यक्ति, संस्थाओं, उम्मीदवारों दलों द्वारा सर्वप्रथम संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित प्रारूप में संबंधित स्थानीय निकाय को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जायेगा। आवेदन पत्र के साथ प्रचार/विज्ञापन बोर्ड पर लिखी जाने वाली भाषा/मेटर भी बताना होगा। जिसके आधार पर संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा विहित शर्तों के अधीन अनुमति/अनापत्ति पत्र जारी किया जायेगा।

संबंधित स्थानीय निकाय की अनुमति/अनापत्ति प्रमाण पत्र के आधार पर विभिन्न विज्ञापन एजेंसिया अपनी निर्धारित शर्त/शुल्क प्राप्त कर आवेदित व्यक्ति, संस्था, उम्मीदवार, के हित में, वैध स्थानों पर विहित शर्तों के अनुरूप राजनैतिक विज्ञापन प्रदर्शित कर सकेंगे।

संबंधित स्थानीय निकाय अपनी अधिकृत विज्ञापन एजेंन्सियों से सलाह उपरान्त विभिन्न स्थानों पर अभ्यर्थियों/राजनैतिक दलों द्वारा प्रदर्शित होने वाले विज्ञापनों के लिये निर्वाचन अवधि हेतु विज्ञापन की मानक दरों का निर्धारण करेंगे एवं जिला निर्वाचन कार्यालय को प्रेषित करेंगे ताकि उक्त पर किया गया व्यय अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय की गणना में सम्मिलित किया जा सकें।

संबंधित्त स्थानीय निकाय द्वारा अनुमति/अनापत्ति प्रदान करते समय अभ्यर्थी/राजनैतिक दल से निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त किसी प्रकार का कोई शुल्क प्राप्त नहीं किया जायेगा। स्पष्ट किया गया है कि यह अनुमति/अनापत्ति पूर्व से स्वीकृत सूचीबद्ध स्थानों के लिये ही दी जा सकेगी। राजनैतिक विज्ञापन हेतु अनुमतियां निर्वाचन अवधि में जारी की जा सकेगी। विज्ञापन एजेंसी अभ्यर्थियों/राजनैतिक दलों से उक्तानुसार संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित दर से ही राशि वसूल कर सकेंगे।

यह आदेश सम्पूर्ण इन्दौर जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र में लागू होंगे। नगर निगम क्षेत्र में आयुक्त, नगर परिषद क्षेत्र में संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी तद्नुसार व्यवस्था कर अवगत करायेंगे। संबंधित स्थानीय निकाय के लिये निर्धारित नीति के अनुरूप ही राजनैतिक दलों/उम्मीदवारों को विज्ञापन हेतु सशुल्क अनुमतियां दी जा सकेगी।

चुनाव हलचल : इंदौर-3

जीत की चाभी व्यापारी वर्ग के हाथ चुनाव में हमेशा ही मुद्दे बदलते रहे

- यह सीट किसी एक पार्टी का गढ़ नहीं, जो जीता वही सिकंदर

इंदौर। शहर की यह सीट व्यापारी वर्ग बहुल इलाका है। आकार में इसे सबसे छोटा विधानसभा क्षेत्र कहा जा सकता है। इस क्षेत्र में वे कॉलोनियां आती है, जिनमें अग्रवाल, वैश्य, माहेश्वरी और जैन आबादी ज्यादा है। कभी यहां मराठी समाज के लोग भी रहते थे, पर अब यहां वे ज्यादा नहीं बचे। ऐसी स्थिति में यहां चुनाव को प्रभावित करने वाले व्यापारी वर्ग ही हैं।

यहां से विपरीत परिस्थितियों में कांग्रेस के आश्विन जोशी ने लगातार दो बार चुनाव जीता। लेकिन, 2018 का चुनाव वे हार गए थे। भारतीय जनता पार्टी के आकाश विजयवर्गीय ने यहां कड़े मुकाबले में उनसे जीत दर्ज की थी। लेकिन, इस बार इंदौर-3 की यह विधानसभा सीट भाजपा के लिए चुनौती है। परिणाम किस पार्टी के पक्ष में होंगे, यह वोटर तय करेंगे। 2018 में भी इस सीट पर कुल 51न वोट पड़े थे और भाजपा के आकाश विजयवर्गीय ने सारे संसाधन झोंककर कांग्रेस के अश्विन जोशी को सिर्फ 6 हज़ार वोटों के अंतर से हराया था। यह सीट एक तरह से भाजपा की प्रयोगशाला रही है। जब किसी नेता की सीट बदली जाती है, तो उसे इस विधानसभा क्षेत्र में भेज दिया जाता है। उषा ठाकुर को भी जब 2013 में क्षेत्र क्रमांक-1 से हटाया गया, तो उन्हें इस विधानसभा सीट से चुनाव लड़वाया गया था।

क्या कहता है चुनावी इतिहास -

आपातकाल के बाद 1977 में यहां से जनता पार्टी के राजेंद्र धारकर ने चुनाव जीता था। लेकिन, 1980 के विधानसभा चुनाव में हालात बदल गए और कांग्रेस के महेश जोशी ने चुनाव जीत लिया। 1985 में भी महेश जोशी ने अपनी जीत का सिलसिला बरक़रार रखा। किंतु, इसके बाद 1990 के विधानसभा चुनाव में व्यापारी वर्ग से भाजपा के छात्र नेता गोपीकृष्ण नेमा ने चुनाव लड़ा और महेश जोशी की जीत का सिलसिला तोड़ा। 1993 में गोपीकृष्ण नेमा फिर भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते। पर, 1998 में महेश जोशी के भतीजे अश्विन जोशी ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर फिर यहाँ के राजनीतिक समीकरण बदल दिए। इसके बाद वे 2003 और 2008 में भी इसी सीट से चुनाव जीते।

ये वो समय था, जब प्रदेश में भाजपा चारों तरफ जीत का परचम फहरा रही थी और कांग्रेस सिमटकर दुबक गई थी। लेकिन, 2013 में सीट बदलकर इस विधानसभा से भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरी उषा ठाकुर ने अश्विन जोशी की जीत पर रोक लगाई! इसके बाद 2018 में भाजपा ने कैलाश विजयवर्गीय के बेटे आकाश विजयवर्गीय को यहाँ से उम्मीदवार बनाया, जो सारे संसाधन जुटाकर भी अश्विन जोशी को बमुश्किल 6 हज़ार वोटों से हरा सके थे।

2023 के संभावित उम्मीदवार - विधानसभा का यह क्षेत्र भी ऐसा है, जहाँ कांग्रेस का जनाधार तो है, पर 2018 के चुनाव में उसमें सेंध लग गई! यहाँ से लगातार दो बार विधायक रहे अश्विन जोशी को इस बार पार्टी टिकट देने के मूड में नहीं लगती। ऐसे में स्व महेश जोशी के राजनीतिक उत्तराधिकारी माने जा रहे उनके बेटे पिंटू उर्फ़ दीपक जोशी का दावा मजबूत है। यहां से कांग्रेस के अरविंद बागड़ी ने भी कोशिश की, पर बात बनती नजर नहीं आ रही। पिंटू जोशी जो नाम सामने आ रहे हैं, वे ऐसे नहीं हैं कि भाजपा को उखाड़ सकें। जबकि, भाजपा ने इस बार आकाश विजयवर्गीय के नाम पर इसलिए विचार नहीं किया, क्योंकि उनके पिता कैलाश जोशी को शहर की विधानसभा-1 से उम्मीदवार बना दिया गया। ऐसे में गोलू शुक्ला और गोविंद मालू के नाम आगे आए हैं। भाजपा से पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन ने भी अपने परिवार के लिए टिकट मांगा था, पर उसका कोई आधार नहीं था।

दैनिक सद्भावना पाती
शुक्रवार ● 20 अक्टूबर 2023, इंदौर

संपादकीय

दिल्ली शराब घोटाला कानूनी पेचीदगियों की वजह से बन सकता है बहस का मुद्दा

अब दिल्ली में शराब घोटाले की सुनवाई के दौरान सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआइ ने जो कहा है, अगर वह कानूनी तौर पर जमीन पर उतरा तो यह इस मसले पर एक बड़े बदलाव का उदाहरण बनेगा। अनियमितता से संबंधित मामलों में कार्रवाई आमतौर पर उन्हीं लोगों पर केंद्रित रहती है, जो आरोपी होते हैं और माना जाता है कि अवैध गतिविधियों या लेनदेन में उनकी मुख्य भूमिका है। इस संदर्भ में यह एक विडंबना ही रही है कि किसी भ्रष्ट गतिविधि का लाभ तो एक पूरे समूह को मिलता है, लेकिन जब उसका खुलासा होता है तो आरोपों के कठघरे में एक-दो लोग ही आते हैं। अब दिल्ली में शराब घोटाले की सुनवाई के दौरान सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआइ ने जो कहा है, अगर वह कानूनी तौर पर जमीन पर उतरा तो यह इस मसले पर एक बड़े बदलाव का उदाहरण बनेगा। दरअसल, दिल्ली आबकारी नीति मामले में पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान सीबीआइ और ईडी ने अदालत को बताया कि इस मुकदमे में आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाने पर विचार किया जा रहा है। आरोपों की प्रकृति के सवाल पर अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि आरोप अलग हो सकते हैं, लेकिन अपराध एक ही होगा। जाहिर है, अगर भ्रष्टाचार के आरोपों में इस स्तर पर कानूनी कार्यवाही चलती है, तो इस संबंध में एक नया आयाम खुलेगा। यह सवाल उठेगा कि अगर किसी राजनीतिक पार्टी में जिम्मेदार पद पर बैठा व्यक्ति किसी अनियमितता में मुख्य आरोपी है, लेकिन

उसकी गतिविधियों का लाभ पूरी पार्टी को मिले, तो जिम्मेदारी का दायरा क्या होना चाहिए। इसी कोण से अदालत में उठी बात के बाद ईडी और सीबीआइ की ओर से ताजा रुख जाहिर किया गया। गौरतलब है कि पांच अक्तूबर को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय से पूछा था कि अगर शराब घोटाले से सीधे आम आदमी पार्टी को फायदा पहुंचा, तो फिर उसे आरोपी क्यों नहीं बनाया गया। के इस सवाल के बाद अब ईडी और सीबीआइ ने एक तरह से इसी सवाल को कार्रवाई के दायरे में शामिल करने का संकेत दिया है। अब तक आम आदमी पार्टी के दो बड़े नेताओं- मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को आबकारी घोटाले से जुड़े मामलों में ईडी और सीबीआइ ने गिरफ्तार किया है। इस क्रम में अब मामले की आंच समूची पार्टी तक पहुंचती दिख रही है। हालांकि अगर ईडी और सीबीआइ आम आदमी पार्टी को भी कठघरे में खड़ा करने के लिए कानूनी पहल करती है, तो इससे जुड़े कानून की कसौटी पर यह परखा जा सकता है कि क्या धनशोधन रोकथाम अधिनियम के दायरे में किसी राजनीतिक पार्टी को भी लाया जा सकता है। दरअसल, धनशोधन रोकथाम अधिनियम की धारा-70 को अब तक कंपनियों के जरिए किए जाने वाले अपराधों की स्थिति में लागू होता रहा है। मगर यही कानून अगर राजनीतिक दल को आरोपी बनाने में उपयोग होता है, तो संभव है कि इसके लिए अलग से कोई और कानूनी रास्ता अख्तियार करना पड़े। कानूनी पेचीदगियों की वजह से यह मसला बहस का केंद्र बनेगा। यह छिपी बात नहीं है कि भ्रष्टाचार या अनियमितता की लाभार्थी कई बार समूची पार्टी होती है, लेकिन कार्रवाई के दायरे में एक-दो नेता आते हैं। इस तरह किसी व्यापक दायरे का भ्रष्टाचार व्यक्तिगत मामला बन कर रह जाता है। सवाल है कि ऐसे मामलों में पार्टी की जिम्मेदारी क्या होगी? अगर कानूनी कसौटियों पर किसी राजनीतिक दल को आरोपी बनाने का आधार मजबूत हुआ तो आम आदमी पार्टी को शायद गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़े!

सोशल मीडिया से...

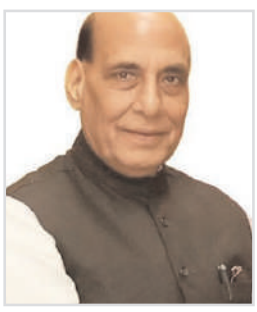

आज कैबिनेट की बैठक में रबी की फसलों के लिए MSP बढ़ाने का निर्णय किया गया है। इस निर्णय से न केवल किसानों को उनकी फसलों का वाज़िब मूल्य प्राप्त होगा बल्कि उनकी आमदनी में भी वृद्धि होगी। किसानों के हित को ध्यान में रख कर लिये गये इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्रीजी का आभार!
राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

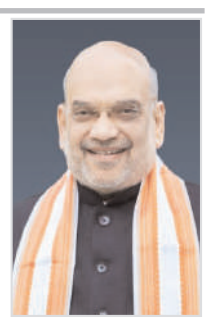

आज दिल्ली में जनजातीय युवा एक्सचेंज कार्यक्रम में जनजातीय समुदाय के प्रतिभाशाली युवा मित्रों के साथ संवाद किया। जनजातीय समुदाय और विशेषकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के जनजातीय युवाओं को नक्सलवाद के दंश से दूर रखने और विकास की मुख्यधारा से उन्हें जोड़ने के लिए मोदी सरकार ने अभूतपूर्व कार्य किये हैं। इन्हीं प्रयासों से इन क्षेत्रों के जनजातीय युवाओं में न सिर्फ सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है, बल्कि लोकतंत्र में सहभागी बन देश के विकास में योगदान देने की भावना भी प्रबल हुई है।
अमित शाह गृह मंत्री

मेरठ में रिहायशी इलाकों में जानलेवा बारूद के ख़तरनाक कारख़ानों को नाजायज़ तरीक़े से चलते रहने दिया गया व बिजली के कनेक्शन भी दिये गये और प्रशासन आँखें मूँदें रहा, क्या सिर्फ़ इसलिए कि ये कारख़ाने सत्ताधारी भाजपा के लोगों के थे। ये हादसे में हुई मौतें नहीं हैं बल्कि शासनिक-प्रशासनिक हत्याओं के समान हैं। इसकी तत्काल न्यायिक जाँच और दंडात्मक कार्रवाई हो। **अखिलेश यादव**

अडानी जी का कोयला इंडोनेशिया से भारत पहुंचते-पहुंचते 12,000 करोड़ महंगा हो जाता है! ये पैसा अडानी जी, बिजली बिल बढ़ा कर, आपकी जेब से, खुले आम चोरी कर रहे हैं। और वो चोरी से डरते क्यों नहीं? क्योंकि प्रधानमंत्री खुद उनकी रक्षा कर रहे हैं!
राहुल गांधी, लोकसभा सदस्य

आज का कार्टून

अजन्मे बच्चे पर सुप्रीम फैसला मानवीय पहलुओं के मद्देनजर

सुप्रीम कोर्ट ने 26 सप्ताह का गर्भ गिराने की मांग करने वाली याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी है कि चूंकि भ्रूण का विकास सामान्य है, उसकी स्थिति एकदम सही है, इसलिए उसे जन्म मिलना ही चाहिए। अदालत कह चुकी है कि महिला यदि चाहे तो पैदा होने वाले बच्चे को सरकार को सौंप सकती है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान कुछ दिन पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश (सी.जे.आई.) ने कहा था कि बेशक मां की स्वायत्तता बड़ी है, पर यहां अजन्मे बच्चे के लिए कोई भी पैरवी नहीं कर रहा, जो उसके अधिकारों की बात कर सके।

-राजेश माहेश्वरी

सुप्रीम कोर्ट के सामने बड़ा मुद्दा था। यह प्रैग्नैंसी 24 हफ्ते से ऊपर चली गई थी। हमारा कानून 24 हफ्ते तक गर्भपात कराने का अधिकार देता है। कानून महिला को इस दौरान पूरा अधिकार देता है कि वह तय कर सके कि बच्चे को रखना है या नहीं। अगर 24 हफ्ते से ऊपर यानी 26 वीक या 28 हफ्ते के केस आते हैं, जहां गर्भ में पल रहे शिशु के जीवन की उम्मीद ज्यादा बढ़ती जाती है, तो वहां पर सुप्रीम कोर्ट के सामने महत्वपूर्ण सवाल आया कि हम क्या करें? क्या हम महिला के आर्टिकल 21 - राइट टू लाइफ को मानें, जिसके तहत महिला कहती है कि उसके पास अधिकार है कि वह बच्चे को रखे या नहीं, या उस अजन्मे बच्चे को रखना है, जहां इस केस में मैडिकल एक्सपर्ट की राय आई कि जो बच्चा है, उसकी लाइफ है, वह लिविंग भ्रूण है। वह अगर बाहर आएगा तो बहुत चांसेज इस बात के हैं कि वह जिंदा रहेगा।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि हम दिल की धड़कन को नहीं रोक सकते। अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल पूर्ण न्याय करने के लिए किया जा सकता है लेकिन इसका इस्तेमाल हर मामले में नहीं करना चाहिए। यहां डॉक्टरों को भ्रूण की समस्या का सामना करना पड़ेगा। उचित समय पर एम्स द्वारा डिलीवरी कराई जाएगी। यदि दंपति बच्चे को गोद लेने के लिए छोड़ना चाहते हैं तो केंद्र माता-पिता की सहायता करेगा। बच्चे को गोद देने का विकल्प माता-पिता पर निर्भर करता है। मामले की सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट कॉलिन गोंसाल्वेस ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून में आज अजन्मे बच्चे या भ्रूण का कोई अधिकार नहीं है। यह यू.के. और कोलंबिया की अदालतों सहित 5 संवैधानिक अदालतों का निर्णय है। पिछले 12 वर्षों में सरकार की एक गाइडलाइन के माध्यम से भ्रूण हत्या की अनुमति दी गई है और इसे निखिल दातार मामले में निर्धारित किया गया था। इस पर सी.जे.आई. ने पूछा कि तो आप कह रहे हैं कि यदि कोई महिला 33 सप्ताह में आती है तो उसे गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए, ताकि जोखिम के बावजूद, एक सप्ताह पहले भी वह बच्चे से छुटकारा पा सके?

सुनवाई के दौरान सी.जे.आई. ने कहा कि भारत में 2021 में विधानमंडल ने संतुलन बनाने का काम किया है। अब यह अदालतों को देखना है कि संतुलन बनाने का काम सही है या नहीं। क्या हम इन बढ़ते मामलों में ऐसे कदम उठाने की विधायिका की शक्ति से इन्कार कर सकते हैं? हमें लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित विधायिका को वह शक्ति क्यों देने से इन्कार करना चाहिए और क्या हम इससे अधिक कुछ कर सकते हैं? मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आप हमें विश्व स्वास्थ्य संगठन के बयान के आधार पर हमारे कानून को पलटने के लिए कह रहे हैं? मुझे नहीं लगता कि ऐसा किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने महिला का अपने ऊपर अधिकार और अजन्मे बच्चे के अधिकारों को लेकर ऐसी चर्चा को जन्म दिया है, जिसे लेकर ठोस प्रावधान होना ही चाहिए। यूं कहा जाना चाहिए कि अजन्मे शिशु के अधिकारों और माता के अधिकारों के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। गर्भ गिराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची महिला का कहना था कि मानसिक स्थिति ठीक न होने और कई बीमारियों से जूझने के कारण वह बच्चे को जन्म देने की स्थिति में नहीं है।

कानून के मुताबिक यद्यपि 24 सप्ताह से अधिक के भ्रूण को गिराया नहीं जा सकता, यह बात अलग है कि बलात्कार जैसे मामलों में पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने कानून में तय समयावधि से ज्यादा के गर्भ के मामलों में भी गर्भपात की अनुमति दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में दोनों ही अधिकारों को (एक मां और शिशु) बैलेंस किया है। यह फैसला किसी के खिलाफ नहीं है, न ही मां के खिलाफ है और न ही बच्चे के बहुत पक्ष में है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला निश्चित ही मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखकर आया है। एक तथ्य यह भी है कि दुनिया भर में गर्भपात के उदार कानून की मांग को लेकर आंदोलनों का दौर भी जारी है। खास तौर से ये आंदोलन उन महिलाओं के पक्षधर हैं, जो अवांछित गर्भ ठहर जाने के कारण गैर-कानूनी गर्भपात का सहारा लेकर अपनी जान तक खतरे में डाल देती हैं। एक पक्ष यह भी है कि हमारे देश में शिक्षा के प्रसार के बावजूद खास तौर से ग्रामीण इलाकों में गर्भनिरोधकों के विकल्पों का प्रचार व्यापक नहीं है। न ही ऐसे इलाकों में महिलाएं गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी कर पाती हैं। ऐसे में बच्चे का सुरक्षित जन्म लेना या फिर विकृत या अक्षम अवस्था में पैदा होने को ईश्वरीय देन ही समझा जाता है। ऐसे में जरूरत है कि देश में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच की और प्रभावी व्यवस्था हो। सवाल सिर्फ महिलाओं का उनके शरीर पर अधिकार का ही नहीं है, बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु के जिंदा रहने के अधिकार का भी है। इस तथ्य को भी ध्यान में रखना आवश्यक होगा कि हमारे देश में कानूनी प्रतिबंध के बावजूद कन्या भ्रूण हत्या के मामले सामने आते ही रहते हैं। जरूरत इस बात की है कि अजन्मे बच्चों के हकों की भी चिंता की जाए।

चीन में तेजी से खाली हो रहीं कार्पोरेट सैक्टर की इमारतें

चीन में कोविड के बाद जितने कार्यालयों की इमारतें खाली थीं, उससे कहीं ज्यादा खाली इमारतें इस समय हैं। कार्यालय की इमारतों में इस समय ज्यादा खाली जगह है। कोविड के बाद जिन लोगों के वापस लौटकर अपना कार्यालय इन भवनों में खोलने की आशा थी वह अब धूमिल होती... चीन में कोविड के बाद जितने कार्यालयों की इमारतें खाली थीं, उससे कहीं ज्यादा खाली इमारतें इस समय हैं। कार्यालय की इमारतों में इस समय ज्यादा खाली जगह है। कोविड के बाद जिन लोगों के वापस लौटकर अपना कार्यालय इन भवनों में खोलने की आशा थी वह अब धूमिल होती जा रही है। इसके पीछे पहला कारण था कोविड महामारी के कारण काम का बंद होना, प्रतिबंधों के चलते कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों की संख्या में कटौती की। प्रतिबंधों के कारण कार्यालय पर न पहुंच जाने की वजह से कई छोटी और मंझोली कंपनियों ने कार्यालय की इमारतों को खाली कर दिया और घर से काम करने लगे। इस वजह से चीन में ढेर सारी कार्यालय की इमारतें जिन्हें कार्पोरेट सैक्टर भी कहते हैं, खाली होने लगीं। कोविड के बाद इन इमारतों के मालिकों को उम्मीद थी कि वापस वही रौनक इनके भवनों में लौटेगी लेकिन इस बीच कई विदेशी कंपनियां चीन छोड़कर पड़ोसी देशों में जाने लगीं जिनमें वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस और थाईलैंड प्रमुख हैं। इस वजह से महामारी के बाद जब दोबारा हालात सामान्य हुए तब भी उतनी इमारतें नहीं भरीं जितनी कोविड के पहले भरी रहती थीं। ब्रिटिश रीयल एस्टेट सर्विस देने वाली कंपनी सावित्स के अनुसार चीन में इस समय आर्थिक अनिश्चितता का माहौल है और यह निकट भविष्य में आने वाली बड़ी समस्याओं की तरफ इशारा कर रहा है। चीन ने अपनी सख्त कोविड नीति को जनवरी में हटा लिया था, लेकिन बावजूद इसके कार्यालय इमारतों के खाली होने का स्तर लगातार बढ़ता रहा। हालांकि इस बीच कुछ नई इमारतें भी बन चुकी हैं जिनका काम कोविड आने से पहले शुरू हुआ था, इसे देखते हुए अब खाली इमारतों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ये नई खाली इमारतें चीन की आर्थिक स्थिति में और बड़ी गिरावट ला रही हैं क्योंकि इन्हें बनाने में खर्चा तो बहुत हुआ लेकिन इनसे कमाई एकदम नहीं हो रही है। इन इमारतों की मांग में कमी आना यह दिखाता है कि व्यावसायिक वर्ग का रुझान अब चीन की तरफ कम होता जा रहा है। नेटेक टैक्नोलॉजी जो इलैक्ट्रॉनिक कंपनी है वह इमारतों को किराए पर देने का काम भी करती है।

फिर आया मौसम पराली के धुएं पर राजनीति का

हर साल उत्तर भारत में अक्तूबर महीने की शुरुआत के साथ ही आसमान में धुएं के गुबार दिखने का दौर शुरू हो जाता है। इस जहरीले धुएं का सबसे बड़ा कारण पराली जलाना बताया जाता है। दरअसल जलाई जा रही पराली के धुएं से प्रदूषण पर सत्ता-विपक्ष से लेकर टी.वी. पर...

-प्रि. डा. मोहन लाल शर्मा

हर साल उत्तर भारत में अक्तूबर महीने की शुरुआत के साथ ही आसमान में धुएं के गुबार दिखने का दौर शुरू हो जाता है। इस जहरीले धुएं का सबसे बड़ा कारण पराली जलाना बताया जाता है। दरअसल जलाई जा रही पराली के धुएं से प्रदूषण पर सत्ता-विपक्ष से लेकर टी.वी. पर चलने वाली बहसों में आरोप-प्रत्यारोप उफान पर होते हैं। अक्तूबर महीने की शुरुआत से ही नवंबर अंत तक पूरे देश में पंजाब में जल रही पराली पर जम कर बहस होती है। लेकिन धीरे-धीरे इसका कुहासाभी छंटता है और नया साल आते-आते कुछ दिनों में सब कुछ भुला दिया जाता है। पूरा देश राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-एन.सी.आर. के प्रदूषण को देख कर दंग रहता है और केवल पंजाब की जलती पराली को कोसा जाता है। लेकिन हकीकत यह है कि देश के दूसरे कई भागों में भी इससे कम या बराबर ऐसा ही प्रदूषण रहता है। कहीं इसे पुआल, परड़ा तो कहीं पइरा भी कहते हैं और तब इस पर कोई खास आवाज नहीं उठती। एक सच्चाई यह भी है कि इसी नवंबर के पहले हफ्ते में दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों में हम शीर्ष पर रहते हैं। वायु प्रदूषण में पराली जलाने के साथ दिवाली के पटाखों का धुआं भी शामिल होता है। सवाल तो इस बात का है कि आखिर वायु प्रदूषण है क्या और इस पर इतनी चिंता व बहस कैसी? यकीनन पराली जलाना एक गंभीर समस्या है। यह समस्या आज की नहीं, बल्कि बरसों से है। विडंबना यह है कि इसे रोकने के लिए कोई खास उपाय न कर इस पर हर साल दो महीने सियासत निश्चित रूप से होती है। किसानों के पास न तो वक्त होता है और न ही पैसे, जिससे वे इसके निस्तारण का कोई दूसरा रास्ता निकाल सकें। मजबूरी और दूसरी फसलें लगाने की जल्दबाजी में इसे जलाना ही एकमात्र सस्ता और सुलभ विकल्प बचता है। यह भी सच है कि इस पर काफी पैसा खर्चा गया लेकिन नतीजा नगण्य रहा। यह नहीं भूलना चाहिए कि हवा की गुणवत्ता बिगडऩे से पैदा हुए प्रदूषण से हर साल भारत सहित दुनिया में लाखों मौतें होती हैं। दरअसल, हमारे वायुमंडल में उपलब्ध रहने वाली सारी गैसों की मात्रा का संतुलन प्राकृतिक रूप से तय होता है। इनके बिगडऩे से हवा की गुणवत्ता बिगड़ती है। यह असंतुलन प्राकृतिक कारकों से ज्यादा इंसानी गतिविधियों से होता है। वैसे तो पराली न जलाए जाने के लिए हो रहे प्रयास अपना रंग दिखा रहे हैं, परंतु जागरूक किसानों के बीच अब भी हजारों की संख्या में किसान पराली जलाने से तौबा नहीं कर रहे। सूबे में करीब 30 लाख हैक्टेयर रकबे में धान की खेती से करीब 22 लाख टन पराली पैदा हो रही है। किसान धान की फसल को तो मुनाफे के लिए काट रहे हैं लेकिन फसल के अवशेष आग के हवाले कर रहे हैं। धान की कंबाइनों के साथ कटाई के बाद खेतों में बचने वाले पराली और नाड़ के बड़े हिस्से को गेहूं की बिजाई से पहले खेत में ही जला दिया जाता है। इससे न केवल भूमि की उपजाऊ शक्ति, बल्कि पर्यावरण को नुक्सान पहुंचता है, जिसका खामियाजा इंसानों के अलावा बेकसूर जीव-जंतु भी भुगतते हैं। पंजाब में हर साल जलाई जाने वाली पराली से करीब 1.50 से 1.60 लाख टन नाइट्रोजन और सल्फर के अलावा जैविक कार्बन भी नष्ट हो जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर इतनी मात्रा में नाइट्रोजन और सल्फर को बाजार से खरीदना पड़े तो इसके लिए 160 से 170 करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। पी.ए.यू. के वैज्ञानिकों की शोध के अनुसार एक एकड़ की पराली में करीब 18-10 किलो नाइट्रोजन, 3.2-3.5 किलो फास्फोरस, 56-60 किलो पोटाश, 4.5 किलो सल्फर, 1150-1250 किलो जैविक कार्बन और दूसरे सूक्ष्म तत्व होते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो एक टन पराली जलाने से 400 किलो जैविक कार्बन, 5.5 किलो नाइट्रोजन, 2.3 किलो फास्फोरस, 25 किलो पोटाश, 1.2 किलो सल्फर व मिट्टी के बीच के सूक्ष्म तत्वों का नुकसान होता है। वहीं इतने बड़े स्तर पर पराली को खेतों में जलाए जाने से कार्बन डाइक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रिक आक्साइड जैसी गैसें पैदा होती हैं। पी.ए.यू. के अनुसार धान की पराली में से निकलने वाली गैसों में 70 प्रतिशत कार्बन डाइक्साइड, 7 प्रतिशत कार्बन मोनोआक्साइड, 0.66 प्रतिशत मीथेन व 2.09 प्रतिशत नाइट्रिक आक्साइड जैसी गैसें और आर्गेनिक कम्पाऊंड होते हैं, जिनसे इंसानों व पशुओं की सेहत को नुक्सान होता है। नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में इसे लेकर केस भी लगा हुआ है। सवाल फिर वही कि अब नहीं तो कब चेतेंगे? हम अपनी नई पीढ़ी को क्या दे रहे हैं? कभी चेचक, हैजा, पोलियो, कुष्ठ रोग असाध्य थे लेकिन अब नहीं। जिस तरह हमने संक्रामक रोगों को मौतों का सबब बनते देखा और हाल में कोरोना महामारी जैसी विकरालता पर काबू पा बड़ी सफलता पाई, तो क्या वैसा ही कुछ पराली, नरवाई और दूसरे स्त्रोतों से फैलते जहरीले धुएं को रोकने के लिए नहीं किया जा सकता? सवाल यह है कि विकास के नाम पर प्रकृति से ऐसी ज्यादती कब तक करते रहेंगे? पर्यावरण को प्रदूषण बचाने के लिए राजनीतिक इच्छा और प्रतिबद्धता दोनों जरूरी हैं, जो आज किसी भी दल या सरकार के पास नहीं दिखतीं। इसलिए लगता नहीं कि पंच, सरपंच से लेकर विधायक, सांसद और सभी राज्य मिल कर राजनीति से इतर अपनी सुनिश्चित और ईमानदार भागीदारी निभाएंगे।

सरकार ने सात देशों को 10 लाख टन से अधिक गैर-बासमती चावल के निर्यात की अनुमति दी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने नेपाल, कैमरून और मलेशिया सहित सात देशों को 10,34,800 टन गैर-बासमती चावल के निर्यात की अनुमति दे दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, यह निर्यात राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लि. (एनसीईएल) के जरिए किया जा सकता है। हालांकि, भारत ने घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए 20 जुलाई से गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया हुआ है लेकिन कुछ देशों की खाद्य सुरक्षा जरूरत के मद्देनजर सरकार उनके लिए गैर-बासमती चावल के निर्यात की अनुमति देती है। सरकार ने नेपाल, कैमरून, कोटे डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलिपीन और सेशल्स को गैर-बासमती चावल के निर्यात की अनुमति दी है। अधिसूचना के अनुसार, नेपाल को 95,000 टन, कैमरून को 1,90,000 टन, कोटे डी आइवर को 1,42,000 टन, गिनी को 1,42,000 टन, मलेशिया को 1,70,000 टन, फिलिपीन को 2,95,000 टन और सेशेल्स को 800 टन गैर-बासमती चावल का निर्यात किया जाएगा।

नोकिया में जाएगी 14000 लोगों की नौकरी, बिक्री कम होने बाद लागत घटाने की हो रही तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। फिनलैंड के दूरसंचार उपकरण बनाने वाले समूह नोकिया कथित तौर पर 14 हजार लोगों को नौकरी से निकाल सकता है। समूह ने बताया है कि अमेरिका जैसे बाजारों में 5जी उपकरणों की धीमी बिक्री के कारण तीसरी तिमाही में उसकी कुल बिक्री 20 प्रतिशत तक कम हो गई है। इस गिरावट के बाद कंपनी अपनी लागत में कटौती के लिए 14000 लोगों को नौकरी से निकालने की योजना पर काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कर्मचारियों की संख्या में कमी कर नोकिया अपनी लागत में 2026 तक 800 मिलियन यूरो से 1.2 बिलियन यूरो तक की कटौती करना चाहती है। कंपनी 2026 तक अपनी ऑपरेटिंग मार्जिन कम से कम 14 प्रतिशत रखना चाहती है। कंपनी का लक्ष्य अपने कर्मचारियों की संख्या 72,000-77,000 तक करने का है। फिलहाल नोकिया के पास आज 86,000 कर्मचारी हैं। हाल के दिनों में नोकिया ने उम्मीद से कमजोर कमाई दर्ज की है। तीसरी तिमाही में कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 467 मिलियन डॉलर रहा था। प्रति शेयर समायोजित आय 5 सेंट पर पहुंच गई है जो विश्लेषकों की ओर से अनुमानित 7 सेंट से कम है। नोकिया के सीईओ पेक्का लुंडमार्क ने बयान में कहा, सबसे कठिन व्यावसायिक निर्णय वे हैं जो हमारे लोगों को प्रभावित करते हैं। नोकिया में हमारे बेहद प्रतिभाशाली कर्मचारी हैं और हम इस प्रक्रिया से प्रभावित होने वाले सभी लोगों का समर्थन करेंगे।

देश का दृष्टिकोण है भारत से यूरोप तक आर्थिक गलियारा, वित्त मंत्री बोलीं- इससे रसद लागत घटेगी

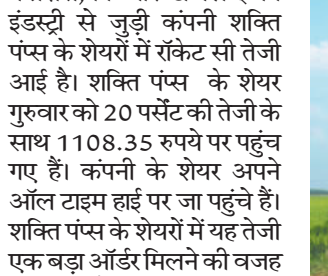

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल मैरीटाइम इंडियन समिट 2023 के तीसरे संस्करण के आयोजन के मौके पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पीएम मोदी सरकार ने मैरीटाइम क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने का एक सचेत प्रयास किया है। इनमें नीली अर्थव्यवस्था यानी भारत के लिए समुद्री चिंताएं, भारतीय ध्वज के साथ जहाजों को रखना, जनशक्ति को प्रशिक्षित करना आदि शामिल हैं। हमें उन्हें (युवाओं को) इस वैश्विक सागरमाला (परियोजना) का हिस्सा बनने के लिए हर संभव सर्वोत्तम प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता है, जिसका भारत सरकार समर्थन करती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पीएम मोदी कहा है कि भारतीय-मध्य-पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा भारत का दृष्टिकोण है। हम समुद्री और भूमि मार्गों के माध्यम से यूरोप और पश्चिम एशियाई गणराज्यों तक पहुंचने पर विचार कर रहे हैं और इससे रसद लागत में कमी आएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, विश्व बैंक की 2023 की लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स रिपोर्ट कहती है कि भारतीय बंदरगाहों का टर्नअराउंड टाइम अब 0.9 दिन है जो सिंगापुर से बेहतर है जो 1 दिन है, यूएई का 1.1 दिन है, जर्मनी का 1.3 दिन है, अमेरिका का 1.5 दिन है। ऑस्ट्रेलिया के मामले में यह 1.7 दिन है, रूस का 1.8 दिन और दक्षिण अफ्रीका का 2.8 दिन है। विश्व बैंक के लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में भारत की समग्र रैंक भी 2014 के 54 से बढ़कर 2023 में 38 हो गई है।

गाजियाबाद, नोएडा या ग्रेटर नोएडा... रैपिडएक्स से होगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के करीब जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट विकसित किया जा रहा है। इसे रैपिडएक्स से भी जोड़ने की योजना बन रही है। इसके लिए एनसीआर ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ने तीन वैकल्पिक रूट सुझाए हैं जो गाजियाबाद आरआरटीएस स्टेशन से शुरू होंगे। इन तीनों का अलाइनमेंट थोड़ा अलग है। इनके मुताबिक रैपिडएक्स ग्रेटर नोएडा वेस्ट, परी चौक और यमुना एक्सप्रेसवे होते हुए नोएडा एयरपोर्ट पहुंचेगी। इन तीनों रूट्स की लंबाई और अनुमानित यात्रियों की संख्या अलग-अलग है। इनमें पहला विकल्प ग्रेटर नोएडा वेस्ट लिंक रोड और GNIDA से होते हुए है जिसकी लंबाई 70.4 किमी है। दूसरा विकल्प सूरजपुर-कासना मेन रोड और परी चौक होते हुए है। इसकी लंबाई 70.7 किमी है। तीसरा विकल्प नॉलेज पार्क पांच और परी चौक होते हुए है जिसकी लंबाई 72.2 किमी है।

दूसरी ओर यमुना अथॉरिटी चाहती है कि नोएडा एयरपोर्ट को जोड़ने वाली रैपिडएक्स दिल्ली के सराय काले खां से शुरू हो। अथॉरिटी ने एनसीआरटीसी के इसके मुताबिक रूट बनाने को कहा है। यह रूट सराय काले खां से शुरू होकर डीएनडी फ्लाइवे के साथ-साथ चलेगा और फिर नोएडा एक्सप्रेसवे तथा यमुना एक्सप्रेसवे से होते हुए एयरपोर्ट पहुंचेगा। यमुना अथॉरिटी के सीईओ अरुण

वीर सिंह ने कहा कि हमारा मकसद दिल्ली से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच डायरेक्ट और तेज कनेक्टिविटी मुहैया कराना है।

सराय काले खां वाला रूट

सिंह ने कहा कि रैपिडएक्स की प्रजेंटेशन का जोर गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बीच कनेक्टिविटी पर है। इसलिए हमने एनसीआरटीसी को 65 किमी लंबे डीएनडी फ्लाइवे और दोनों एक्सप्रेसवे के रूट की व्यावहारिकता रिपोर्ट बनाने को कहा है। इस रिपोर्ट के 15 दिन में पूरी होने की उम्मीद है। यह रूट में रैपिडएक्स नोएडा के प्राइम रेजिडेंशियल और कमर्शियल एरिया से गुजरेगी। इस पर कंस्ट्रक्शन में भी कोई दिक्कत नहीं होगी क्योंकि इसके लिए जमीन उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि सराई काले खां से नोएडा एयरपोर्ट के बीच बनने वाला रैपिडएक्स ट्रैक एलिविटेड होगा और इसके निर्माण में प्रति किमी 250 करोड़ का खर्च आएगा। यह मेट्रो से सस्ता होगा। मेट्रो में एक किमी एलिवेटेड ट्रैक का खर्च 350 करोड़ रुपये और अंडरग्राउंड ट्रैक का खर्च 700 करोड़ रुपये है। पहले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से मेट्रो के जरिए जोड़ने की योजना थी लेकिन राज्य सरकार ने भारी लागत के कारण इसे खारिज कर दिया। इसके बाद रैपिडएक्स का विकल्प सुझाया गया जिसका पहले ही यूपी में एक कॉरिडोर बन रहा है।

फिजिबिलिटी स्टडी

गाजियाबाद आरआरटीएस स्टेशन से नोएडा एयरपोर्ट के बीच फिजिबिलिटी स्टडी कराई गई थी। इसमें चार सेक्शन गाजियाबाद आरआरटीएस स्टेशन से सिद्धार्थ विहार होते हुए चार मूर्ति (आठ किमी), चार मूर्ति से कासना (26 किमी), कासना से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (28 किमी) और एयरपोर्ट एरिया (छह किमी) की स्टडी की गई थी। इसमें नॉलेज पार्क पांच और परी चौक होते हुए 72.2 किमी लंबे ट्रैक की सिफारिश की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली-मेरठ रैपिडएक्स के 17 किमी लंबे प्रायोरिटी सेक्शन का उद्घाटन करेंगे। यह साहिबाबाद से दुहाई के बीच बनाया गया है।

81वीं बार डिविडेंड दे रही है टाटा की दिग्गज कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी अपने योग्य निवेशकों को 1 शेयर पर 9 रुपये का डिविडेंड दे रही है। जिसके लिए तय रिकॉर्ड डेट आज यानी 19 अक्टूबर 2023 है। बता दें, टाटा ग्रुप की ये कंपनी 2007 से अबतक लगातार डिविडेंड दे रही है। आइए डीटेल्स में जान लेते हैं- टीसीएस की तरफ से दी जानकारी के अनुसार 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 9 रुपये का डिविडेंड दे रही है। कंपनी की तरफ से योग्य निवेशकों को 7 नवंबर 2023 को योग्य निवेशकों को डिविडेंड दे रही है। बता दें, इस वित्त वर्ष में यह दूसरा अंतरिम डिविडेंड दे रही है। टीसीएस की तरफ से दी जानकारी के अनुसार दूसरी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 11,432 करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 10,431 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर नेट प्रॉफिट में 8.7 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। बता दें, जून क्वार्टर में टीसीएस का नेट प्रॉफिट 11,074 करोड़ रुपये रहा है।

2 बार बोनस शेयर दे चुकी है कंपनी

टीसीएस ने 2009 और 2018 में योग्य निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। कंपनी ने दोनों बार निवेशकों को 1 शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया था।

टुकड़ों में बंट जाएगा दिग्गज कंपनी नेस्ले इंडिया का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। एफएमसीजी सेक्टर की दिग्गज कंपनी नेस्ले इंडिया के तिमाही नतीजों का ऐलान किया गया है। कंपनी को दूसरी तिमाही में 908 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 661.46 करोड़ रुपये रहा है। यानी सालाना आधार पर नेस्ले इंडिया के नेट प्रॉफिट में 37.27 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिल है। बता दें, नेस्ले इंडिया के शेयरों में आज 1.48 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली है। रिजल्ट जारी होने के बाद कंपनी के एक शेयर का भाव 349.75 रुपये तक बढ़ चुका है। शेयर बाजारों को दी जानकारी में नेस्ले इंडिया ने कहा है कि शेयरों का 10 हिस्सों में बंटवारा किया जाएगा।

Nokia to cut upto 14k jobs after sales drop 20%

Finnish telecom gear group Nokia on Thursday said it will cut up to 14,000 jobs as part of a new cost savings plan after third-quarter sales drop 20% due to slowing sales of 5G equipment in markets such as North America.

The company is targeting between 800 million euros ($842 million) and 1.2 billion euros in cost savings by 2026 as it seeks to be on track to deliver its long-term comparable operating margin plan of at least 14% by 2026. The program is expected to lead to a 72,000-77,000 employee organization compared to the 86,000 employees Nokia has today, the company said in a statement.

"Nokia expects to act quickly on the program with at least 400 million euros of in-year savings in 2024 and a further 300 million euros in 2025," the company said. Comparable net sales fell to 4.98 billion euros from 6.24 billion euros last year, missing the estimated 5.67 billion euros, according to a LSEG poll. "While our third quarter net sales were impacted by the ongoing uncertainty, we expect to see a more normal seasonal improvement in our network businesses in the fourth quarter," Chief Executive Pekka Lundmark said. "Mobile Networks net sales declined 19 per cent as we saw some moderation in the pace of 5G deployment in India which meant the growth there was no longer enough to offset the slowdown in North America," he added.

Nokia will move to a leaner corporate center that will provide strategic oversight and guidelines while protecting spending on research and development, and giving its business units more autonomy to operate, it said. While the program will deliver savings, the magnitude of those will ultimately depend on the level of cost inflation, it added.

"Resetting the cost-base is a necessary step to adjust to market uncertainty and to secure our long-term profitability and competitiveness," Lundmark said.

इजरायल-हमास की जंग और डूब गए भारत में 2.39 लाख करोड़, युद्ध के बीच चमक रहा सोना?

नईदिल्ली, एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच जारी जंग का असर सिर्फ वहीं तक सीमित नहीं है। युद्ध का इफेक्ट भारत समेत दुनियाभर के देशों पर दिखने लगा है। हमास के आतंकियों के हमले के बाद इजरायल ने बदला लेना शुरू कर दिया है। इजरायल के हमले के बाद गाजा पट्टी में भारी तबाही मच गई है। युद्ध का असर भारत समेत दुनियाभर के देशों पर देखने को मिल रहा है। भारत का शेयर बाजार भी इससे अछूता नहीं रह गया है। शेयर बाजार लगातार गिरावट के साथ बंद हो रहा है। ये असर गुरुवार को भी देखने को मिला है। आज शेयर बाजार खुलते ही धड़ाम हो गया। बीएसई 500 अंकों तक टूट गया है। हफ्ते के चौथे दिन बाजार धराशायी हो गया । सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बुरी तरह से गिरावट देखने को मिला है।

बीते एक हफ्ते से शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी है। शेयर बाजार में गिरावट के चलते निवेशकों को भारी भरकम नुकसान हो रहा है। बुधवार को शेयर बाजार में जारी गिरावट के चलते सेंसेक्स 550 अंक से भी अधिक गिर गया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में नुकसान हुआ है। सेंसेक्स और निफ्टी में नुकसान के चलते बुधवार को शेयर बाजार को 2.39 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

ऐसा ही हाल मंगलवार को भी देखने को मिल। शेयर बाजार में जारी गिरावट के चलते मंगलवार को निवेशकों को 2 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। इजरायल युद्ध के चलते सबसे ज्यादा जिन शेयरों को नुकसान हुआ हैं।

जंग के बीच चमक रहा सोना

इजरायल और हमास के जंग के बीच सोने की कीमत में बड़ी तेजी देखने को मिल रही है। सोने की कीमत में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। युद्ध के बीच बढ़ते तनाव के कारण ग्लोबली शेयर मार्केट्स सेंटीमेंट्स खराब हुए हैं। जिसके कारण शेयर बाजार गिरते जा रहे हैं, लेकिन इसके उलट सोने की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। सोने की कीमत में 800 रुपये से ज्यादा की तेजी देखने को मिल चुकी है। गोल्ड के दाम 60 हजार रुपये के पार चले गए हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में ये तेजी और बढ़ने वाली है। दरअसल युद्ध के बीच गोल्ड की डिमांड बढ़ने की वजह से कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। सोना हमेशा से सुरक्षित निवेश के तौर पर गिना जाता है। ऐसे में निवेशक शेयर बाजार के बजाए सोने में पैसा लगा देते हैं। मांग बढ़ने से कीमत में लगातार तेजी जारी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में गोल्ड की कीमत में 800-1000 रुपये से ज्यादा बढ़ चुकी है।

रॉकेट की तरह दौड़ रहा सैकसॉफ्ट का शेयर, रोज लग रहे सर्किट

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में आईटी की वैसे तो कई सारी कंपनियां हैं, लेकिन कुछ ऐसे शेयर हैं, जिनका बिजनस बाकी आईटी कंपनियों से थोड़ा हटकर है, इसलिए उनका बिजनस तेजी से ग्रो भी हो रहा है। ऐसा ही एक शेयर है सैकसॉफ्ट। इसके स्टॉक में रोजाना अपर सर्किट लग रहे हैं। गुरुवार को बाजार में गिरावट थी, उसके बावजूद इसके शेयर 5 प्रतिशत की तेजी के साथ ट्रेड कर रहे हैं। पिछले 6 महीने में ही कंपनी निवेशकों को 130 प्रतिशत तक का मुनाफा दे चुकी है। एक साल के भीतर 300 प्रतिशत से ज्यादा के रिटर्न इस कंपनी ने दिए हैं। तीन अप्रैल 2020 को सैकसॉफ्ट के शेयर की कीमत 12 रुपये के आसपास थी। तबसे लेकर अब तक यह कंपनी 3000 प्रतिशत का रिटर्न दे चुकी है। लगातार शेयरों में तेजी आने के पीछे इस कंपनी का बिजनस बताया जा रहा है। कंपनी बिजनस इंटेलिजेंस के साथ एप्लीकेशन इंजीनियरिंग, डाटा एनलिटिक्स, क्लाउड इन्फ्रा और सिक्योरिटी में काम करती है। कंपनी हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक एंड ट्रांसफॉर्मेशन, फिनटेक और यूटिलिटी में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए सर्विस देती है। कंपनी ने अपने बिजनस को बढ़ावा

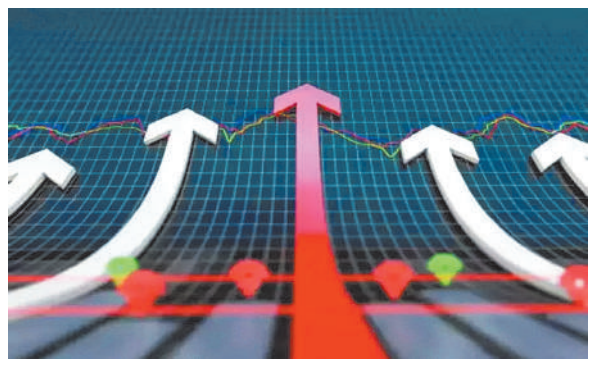

देने के लिए माइक्रोसॉफ्ट और क्लिक के साथ पार्टनरशिप भी की है। कंपनी का सबसे ज्यादा रिवेन्यू फिनटेक से करीब 35 प्रतिशत आता है, बाकी 22 प्रतिशत यूटिलिटी और टेलीकम्युनिकेशन से। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्युशन देने में यह एक लीडिंग कंपनी है। पिछले 5 साल से कंपनी का प्रॉफिट 30 प्रतिशत के सीएजीआर से बढ़ रहा है।

मैनेजमेंट का टारगेट फाइनेंशियल ईयर 2023-2024 में 10 करोड़ डॉलर रेवेन्यू और 2030 तक 50 करोड़ डॉलर रेवेन्यू करने का है, इसलिए शेयरों में तेजी का माहौल है। वहीं, अभी कुछ स्मॉलकैप आईटी कंपनियों के रिजल्ट आए हैं, जो बेहतर रहे हैं। मार्केट अनुमान लगाकर चल रहा है कि इस शेयर के रिजल्ट भी अच्छे आ सकते हैं। कंपनी के शेयर में लगातार तेजी को देखते हुए एनएसई और बीएसई ने इसे एएसएम लिस्ट में डाल दिया है। अभी यह कंपनी एएसएम की लिस्ट में स्टेज एक में है, इसलिए इसका सर्किट प्राइस 5 प्रतिशत किया गया है। जब भी कोई कंपनी का शेयर एएसएम की लॉन्ग टर्म की लिस्ट में जाता है तो उसे कम से कम 90 दिनों तक वहां रखा जाता है। 23 सितंबर 2022 को कंपनी की तरफ से स्प्लिट दिया गया था। उस समय शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये थी। शेयरों को 10 टुकड़ों में बांटा गया था। यानी एक रुपये की फेस वैल्यू में स्प्लिट कर निवेशकों को एक के बदले 10 शेयर दिए गए थे। इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी की नेट सेल्स 26 प्रतिशत करीब 60 करोड़ के आसपास रही थी।

50000 सोलर पंप का मिला ऑर्डर, बनाया नया रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। कंप्रेशर्स,पंप और डीजल इंजन इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी शक्ति पंप्स के शेयरों में रॉकेट सी तेजी आई है। शक्ति पंप्स के शेयर गुरुवार को 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 1108.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर अपने ऑल टाइम हाई पर जा पहुंचे हैं। शक्ति पंप्स के शेयरों में यह तेजी एक बड़ा ऑर्डर मिलने की वजह से आई है। शक्ति पंप्स को 50,000 पंप्स के लिए महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से लेटर ऑफ इम्पैनलमेंट मिला है। कंपनी के शेयरों में एक दिन में 184.70 रुपये का उछाल आया है।

शक्ति पंप्स ने स्टॉक एक्सचेंजों को बताया है कि उसे

महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से 50000 ऑफ-ग्रिड सोलर फोटोवोल्टिक वाटर पंपिंग सिस्टम्स के लिए लेटर ऑफ इम्पैनलमेंट मिला है। स्कीम (फेज-3) के कंपोनेंट-बी के तहत इन पंप्स की सप्लाई पूरे महाराष्ट्र में की जानी है। कंपनी ने बताया है कि 50000 पंप्स की टोटल वैल्यू करीब 1603 करोड़ रुपये है और इस ऑर्डर को 24 महीने में पूरा किया जाना है।

पिछले महीने मिला था 358 करोड़ रुपये का ऑर्डर

शक्ति पंप्स को पिछले महीने चरूरू-3 स्कीम के तहत हरियाणा रिन्यूएबल एनर्जी डिपार्टमेंट से 358 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला था। पिछले 6 महीने में शक्ति पंप्स के शेयरों में 154 पर्सेंट का उछाल आया है। कंपनी के शेयर 19 अप्रैल 2023 को 436.55 रुपये पर थे, जो कि 19 अक्टूबर 2023 को 1108.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, इस साल अब तक शक्ति पंप्स के शेयरों में 173 पर्सेंट का उछाल आया है। पिछले एक महीने में शक्ति पंप्स के शेयर 29 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1108.35 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 380.15 रुपये है।

सोना गिरवी रखकर कर्ज ले रहे लोग, अनियमित मानसून से कुछ हिस्सों में ग्रामीण आय प्रभावित

नईदिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन शुरू होते ही नकदी की किल्लत शुरू हो गई है। लोग अब सोना गिरवी रखकर कर्ज ले रहे हैं। खासकर ग्रामीण और अर्ध ग्रामीण इलाकों में इस तरह के रुझान में तेजी देखी जा रही है। छोटे कारोबारी और व्यक्तिगत तौर पर लोग सोने को गिरवी ज्यादा रख रहे हैं।

कारोबारियों के मुताबिक, पश्चिमी एशिया में सोने के दाम अचानक बढ़ने लगे हैं। पिछले हफ्ते इसमें चार फीसदी तेजी आई है। साथ ही, इस त्योहार में कोरोना का डर नहीं है। इसलिए, लोग खरीदारी कर रहे हैं। इस समय 24 कैरेट सोना 59,100 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जो एक साल पूर्व के 50,060 रुपये से 18 फीसदी अधिक है।

20 प्रतिशत बढ़ सकती है मांग

सोने के व्यापारियों के मुताबिक, पिछले साल के त्योहारी सीजन की तुलना में गोल्ड लोन की दबी

मांग कम-से-कम 20 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। जब भी सोने की कीमत में बढ़ोतरी होती है, तो गोल्ड लोन कारोबार में तेजी आती है।

देश में 27,000 टन सोना है। यह दुनिया के कुल सोने का 14 फीसदी हिस्सा है। इसमें से 5,300 टन सोने को गिरवी रखा गया है। गोल्ड लोन की ब्याज दरें पर्सनल लोन से कम होती हैं। पर्सनल लोन अभी 10 फीसदी से ज्यादा ब्याज दर पर मिल रहा है।

एक साल में 23 प्रतिशत बढ़ा सोने के एवज में कर्ज

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, 28 जुलाई, 2023 तक गोल्ड लोन का आकार 95,476 करोड़ रुपये था। यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 23 फीसदी ज्यादा है। आरबीआई ने इसी महीने बुलेट भुगतान योजना के तहत शहरी सहकारी बैंक के लिए गोल्ड लोन की सीमा दो लाख से बढ़ाकर चार लाख रुपये कर दी है। इससे ग्रामीण और अर्धशहरी लोगों को आसानी से कर्ज मिल सकेगा।

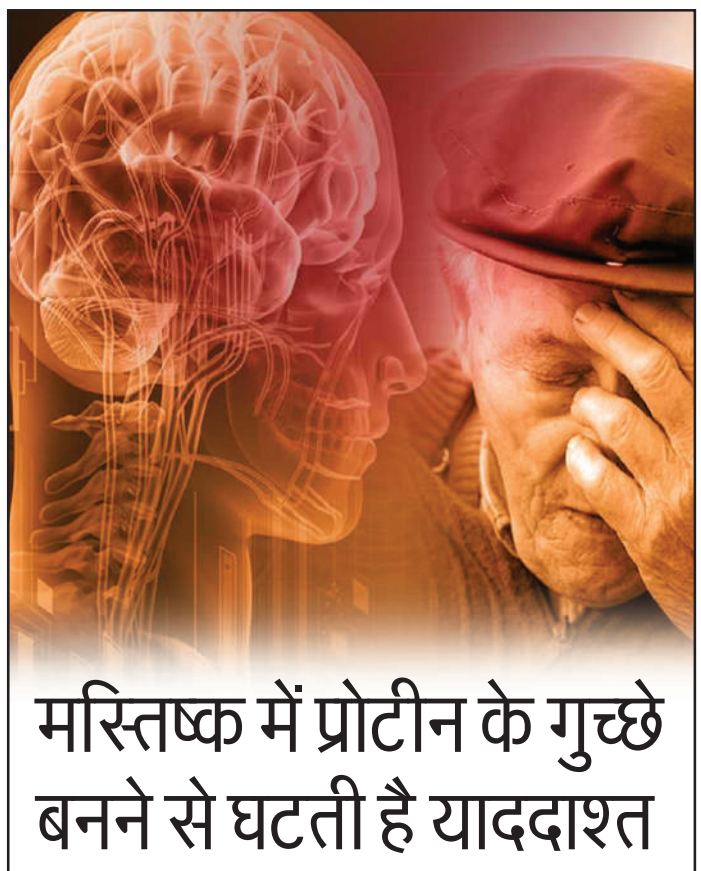

मस्तिष्क में प्रोटीन के गुच्छे बनने से घटती है याददाश्त

दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोग अल्जाइमर और अन्य तरह की डिमेंशिया से प्रभावित हैं लेकिन दुनिया में इसका प्रभावी इलाज के संबंध में प्रगति धीमी है। वैज्ञानिकों ने बताया कि मरीज के मस्तिष्क में अल्जाइमर से संबंधित प्रोटीन गुच्छे के रूप में जमा होने लगते हैं, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं और स्मृति लोप होने संबंधी लक्षण दिखने लगते हैं।

साइंस एडवांसेस में प्रकाशित जॉर्ज मिसल और उनके सहकर्मियों के शोध में अल्जाइमर रोगियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। इस तरह से अनुसंधानकर्ता मस्तिष्क में अल्जाइमर बीमारी के बढ़ने को रोकने की प्रक्रिया के संबंध में बेहतर समझ बनाने में सक्षम हुए।

गुच्छों के दोगुना होने में पांच साल का समय लगा

अध्ययन से पता चला कि गुच्छों के दोगुना होने में करीब पांच साल का समय लगा। अध्ययन में बताया गया कि कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए देशों के बीच यात्रा रोकना बेहद प्रभावी कदम नहीं हो सकता है जब मूल देश में पहले से ही उल्लेखनीय रूप से संक्रमित लोगों की मौजूदगी पहले से ही हो। इसी तरह से मस्तिष्क क्षेत्रों के बीच गुच्छों के प्रसार को रोकना अल्जाइमर के एक बार शुरू हो जाने के बाद इसे धीमा करने में नाकाफी हो सकता है।

धीरे-धीरे बढ़ती जाती है गुच्छों की संख्या

अल्जाइमर की बीमारी और तंत्रिका तंत्र से संबंधित अन्य बीमारियों में प्रोटीन, वे सूक्ष्म गुच्छों में एकसाथ चिपकने लगते हैं। मरीज के मस्तिष्क में ये गुच्छे के रूप में जमा होने लगते हैं, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं और स्मृति लोप होने संबंधी लक्षण दिखने लगते हैं। जैसे-जैसे इन गुच्छों की संख्या बढ़ती जाती है, बीमारी बढ़ती जाती है और हल्के लक्षण सामने आने के वर्षों बाद मौत तक हो जाती है। अब तक विस्तार से वैज्ञानिकों के हाथ यह जानकारी नहीं लग पाई है कि आखिर ये गुच्छे बन कैसे जाते हैं और इन्हें कैसे नियंत्रित किया जा सकता है।

मौसम बदलने के साथ बढ़ता है बीमारियों का खतरा

मौसम बदलने के साथ बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जाता है। गुनगुनी सर्दी की शुरुआत हो गई है, ऐसे में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को बचाव की जरूरत होती है, लेकिन डॉक्टर्स के मुताबिक, सर्दियों के मौसम में ज्यादा से ज्यादा ऑर्थराइटिस, अस्थमा, हार्ट की प्रॉब्लम और टॉन्सिल्स के मरीजों को ज्यादा बचाव की जरूरत होती है। इस मौसम में ड्राइ स्किन, सर्दी जुकाम, शरीर में दर्द और हाइपोथर्मिया जैसे बदलाव भी होने लगते हैं। ऐसे में इससे बचाव जरूरी है -

सर्दी-जुकाम

सर्दियों का मौसम आते ही सर्दी जुकाम की समस्या बढ़ जाती है। जिन लोगों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, उनके लिए यह सबसे बड़ी समस्या हो जाती है।

ऐसे करें बचाव : इससे बचने के लिए साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। यह एक वायरल इंफेक्शन होता है। इसके लिए बार-बार हाथ को साबुन से धोएं ताकि इंफेक्शन से बचे रहें। साथ ही भाप, नमक के पानी के गरारे फायदेमंद होंगे।

अस्थमा की दिक्कत

सर्दियों में एलर्जी के तत्व कोहरे की वजह से आसपास ही रहते हैं, हवा में उड़ते नहीं हैं। ऐसे में इनसे अस्थमा के मरीजों और बुजुर्गों की तकलीफ बढ़ जाती है।

ऐसे करें बचाव : इस मौसम में बुजुर्गों व अस्थमा के मरीज धूल-मिट्टी से बचें। तकलीफ बढ़ने पर डॉक्टर को दिखाएं।

हाइपोथर्मिया

अगर शरीर का ताप 34-35 डिग्री से नीचे चला जाए तो हाइपोथर्मिया की दिक्कत बढ़ जाती है। इसमें हाथ-पैर ठंडे हो जाते हैं और बीपी भी कम हो जाता है। अगर शरीर का तापमान कम हो जाए तो मौत भी हो सकती है।

ऐसे करें बचाव : सुबह की तेज ठंड हवाओं से बचें। गर्म चीजों को खाएं।

टॉन्सिल

सर्दियों में बच्चों में टॉन्सिल की समस्या ज्यादा बढ़ जाती है। इसमें गले में काफी दर्द होता है। खाना खाने में दिक्कत होती है, तेज बुखार भी आ सकता है।

ऐसे करें बचाव : इससे बचे रहने के लिए इस मौसम में ठंडी चीजें खाने से बचें। गर्म खाने और गुनगुने पानी का प्रयोग करें।

गुनगुनी सर्दी की शुरुआत हो गई है, ऐसे में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को बचाव की जरूरत होती है, लेकिन डॉक्टर्स के मुताबिक, सर्दियों के मौसम में ज्यादा से ज्यादा ऑर्थराइटिस, अस्थमा, हार्ट की प्रॉब्लम और टॉन्सिल्स के मरीजों को ज्यादा बचाव की जरूरत होती है।

स्किन ड्राइनेस

सर्दियां शुरू होते ही शरीर में जो पहला बदलाव होता है, वह है स्किन ड्राइनेस। ठंडक बढ़ने और वातावरण में नमी कम होने से इसकी समस्या बढ़ने लगती है। ड्राइ स्किन को मॉइश्चर ना किया जाए तो त्वचा में खुजली और लाल चकते होने लगते हैं। त्वचा रूखी होकर फटने लगती है। कई बार फटी त्वचा से खून भी निकलने लगता है।

यह भी जरूरी

पिएं ज्यादा पानी

सर्दियों में लोग पानी कम और चाय, कॉफी ज्यादा पीते हैं, जिससे उन्हें डिहाइड्रेशन होने लगता है। इससे बचने के लिए सूप या जूस पिएं। सब्जियां जैसे पालक, गाजर, बथुआ, मैथी में प्राकृतिक रूप से पानी होता है, इन्हें भी अपने खाने में शामिल करें।

ओवरइटिंग से बचें

सर्दियों में अक्सर लोग हैवी डाइट लेने लगते हैं। ओवरइटिंग से पाचनतंत्र गड़बड़ा जाता है। ऐसें में इससे बचें।

सिर से लेकर पैर तक को सपोर्ट करती है रीढ़ की हड्डी ऐसे रखें मजबूत

मानव शरीर में रीढ़ की हड्डी का बहुत अहम किरदार है। यह गर्दन, सिर, छाती, पीठ और पैरों को संतुलित करती है। वर्ल्ड स्पाइन डे के मौके पर यहां जानें वह हेल्दी आदतें जिससे आप अपनी स्पाइन को स्वस्थ रख सकते हैं।

पीठ की स्ट्रेचिंग और व्यायाम करें

बैक बोन के दर्द को कम करने में स्ट्रेचिंग बहुत फायदेमंद है क्योंकि यह ब्लड फ्लो को बढ़ा कर मासपेशियों में मजबूती लाती है।

सूजन पैदा करने वाली चीजों को ना खाएं

डेयरी, लाल मांस, रिफाइंड शुगर और अन्य प्रोसेस्ड फूड का सेवन करने से बचें। इसके बजाय, प्लांट बेस्ड फूड का सेवन करें। इनमें कैलोरी भी कम होती है और वेट भी नहीं बढ़ता।

धूम्रपान छोड़ें

निकोटीन रक्त प्रवाह को धीमा कर देता है और रीढ़ की हड्डी तक ऑक्सीजन और पोषक तत्वों को सीमित करने के लिए रक्त वाहिकाओं को संकुचित करता है। इससे सूजन पैदा हो जाती है और शरीर गिरने लगता है।

चलते-फिरते रहें

लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठे रहने से रीढ़ की हड्डी के लिए मुश्किल होता है। उदाहरण के लिए, अगर आपको काम के दौरान लंबे समय तक बैठना पड़े तो बार-बार ब्रेक लेकर अपनी रीढ़ को एक्टिव बनाएं रखें। अपनी पीठ को लचीला बनाए रखने के लिए, घूमें, टहलें और कभी-कभी व्यायाम या स्ट्रेचिंग करें।

पानी में भी कर सकते हैं व्यायाम

बुजुर्ग या फिर जिन्हें रीढ़ का दर्द ज्यादा रहता है और वह जमीन पर एक्सरसाइज नहीं कर सकते, वह पानी के अंदर भी व्यायाम कर सकते हैं। पानी में व्यायाम करने से ताकत बढ़ती है।

बहुत भारी वजन ना उठाएं

बहुत अधिक वजन उठाने से रीढ़ की हड्डी को शारीरिक तनाव का अनुभव हो सकता है। इसके अतिरिक्त, अन्य बीमारियां या शारीरिक विकार हो सकते हैं जो पहले से हेल्थ इशू को खराब कर देते हैं या रीढ़ को नुकसान पहुंचाते हैं।

योग अभ्यास करें

योग एक बहुत ही अच्छा व्यायाम है, जो मांसपेशियों को स्ट्रेच और मजबूत कर सकता है। यदि आपकी रीढ़ में दर्द बना रहता है, तो शुरुआत में हल्का फुल्का योग करें।

सेहत से जुड़ीं कई परेशानियों को ठीक करती है लौंग

मसाले खाने को स्वादिष्ट बनाने के ही नहीं बल्कि सेहत से जुड़ीं कई परेशानियों को भी ठीक करते हैं। जैसे, लौंग का इस्तेमाल खाने के साथ चाय को स्वादिष्ट बनाने में भी किया जाता है। लौंग के कई फायदे हैं।

दांत दर्द में राहत

लौंग खाने से दांत का दर्द ठीक होता है। लौंग में दर्द को शांत करने वाले गुण पाए जाते हैं। ऐसे में अगर आपके दांत में दर्द हो तो लौंग को अपने दांत के बीच में दबाकर रखें।

इंफेक्शन को दूर करता है

लौंग में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं। जिसका मतलब है कि यह बैक्टीरिया या अन्य सूक्ष्मजीवों से होने वाले संक्रमण से बचाव प्रदान कर सकता है। स्किन पर कहीं इंफेक्शन होने पर गुस जगह पर लौंग का पेस्ट लगाने की सलाह दी जाती है।

एसिडिटी में राहत

सुबह खाली पेट लौंग के सेवन करने से पाचन संबंधी समस्या दूर हो जाती है। लौंग पाचन एंजाइम के स्राव को बढ़ाते हैं, जो डाइजेशन प्रॉब्लम्स को रोकने या ठीक करने में कारगर है।

पिंपल्स को ठीक करने में कारगर

आपको अगर ऑयली स्किन की वजह से चेहरे पर पिंपल्स हो जाते हैं, तो आपको लौंग का पेस्ट एलोवेरा जेल में डालकर पिंपल्स पे लगाना चाहिए। इससे पिंपल्स ठीक हो जाते हैं।

मुंह की बदबू को दूर करें

आपके मुंह से अगर सुबह उठने पर बदबू आती है या मसूड़ों में दर्द रहता है, तो आप रोजाना एक लौंग को अपने मुंह में दबा लें, इससे धीरे-धीरे मुंह से बदबू आनी बन्द हो जाएगी।

पेट का अल्सर

पेट के अल्सर के इलाज में लौंग काफी मदद कर सकता है। यह अल्सर आमतौर पर पेट की सेफ्टी लेयर के कम हो जाने के कारण हो जाते हैं, जिसमें लौंग खाने से फायदा होता है।

ब्लड प्रेशर को आयुर्वेदिक उपचार से कैसे ठीक करें

हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) आजकल कामकाज और जीवनशैली के तनाव के कारण एक आम स्वास्थ्य समस्या है। यदि आप अपने रक्तचाप को सामान्य सीमा में रखना चाहते हैं और उच्च ब्लड प्रेशर से बचना चाहते हैं, तो आयुर्वेदिक उपचार आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं। निम्नलिखित आयुर्वेदिक उपचार आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं -

त्रिफला - त्रिफला एक प्राचीन आयुर्वेदिक औषधि है जो रक्तचाप को संतुलित करने में मदद कर सकती है। इसे हर दिन गर्म पानी के साथ पीने से लाभ होता है।

अर्जुन छाल - अर्जुन की छाल रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकती है।

तुलसी का सेवन - तुलसी के पत्तों का सेवन रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है। तुलसी के पत्ते एक प्राकृतिक ब्लड प्रेशर नियंत्रक के रूप में काम करते हैं।

योग और प्राणायाम - योग और प्राणायाम के अभ्यास से तनाव को कम करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

स्वस्थ आहार - खाने में नमक और तेल की मात्रा को कम करें, हरा सब्जी, फल, दाल, और दलिया जैसे स्वस्थ आहार को अपनाएं।

अदरक और लहसुन - अदरक और लहसुन का सेवन रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है।

यदि आपको उच्च रक्तचाप की समस्या है, तो आयुर्वेदिक उपचार आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं। साथ ही, स्वस्थ आहार और नियमित व्यायाम का भी महत्व है जो आपके रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद करेगा।

सर्दियों में इम्यूनिटी बढ़ाएंगे गुड़ मेथी के लड्डू

सर्दियों में गुड़ मेथी के लड्डू खाने का मजा ही कुछ और है। गुड़ मेथी के लड्डू ना सिर्फ स्वाद में गजब होते हैं बल्कि इससे इम्यूनिटी बढ़ने के साथ सर्दी भी कम लगती है। जानते हैं, कैसे बनाएं गुड़ मेथी के लड्डू

लड्डू बनाने के लिए सामग्री

100 ग्राम मेथी दाना, 1/2 लीटर दूध
300 ग्राम गेहूं का आटा, 250 ग्राम घी
100 ग्राम गोंद, 30-35 बादाम
300 ग्राम गुड़ या चीनी
8-10 काली मिर्च, 2 छोटी चम्मच जीरा पाउडर, 2 चम्मच सोंठ पाउडर, 10 छोटी इलाइची, 4 टुकड़े दालचीनी, 2 जायफल

लड्डू बनाने की विधि

- सबसे पहले मेथी दाना को साफ कर लें। अब मेथी को मिक्सर से थोड़ी दरदरी पीस लें।
- एक पैन में दूध उबालने के लिए रख दें।
- अब पिसी हुई मेथी को 8-10 घंटे के लिए दूध में भिगो दें।
- बादाम को काट लें और काली मिर्च, दाल चीनी, इलाइची और जायफल को कूट लें।
- अब एक कड़ाही में आधा कप घी डालकर, भीगी हुई मेथी को भूनें. आपको मध्यम आंच पर इसे हल्का ब्राउन होने तक भूनना है।
- अब बचे हुए घी में गोंद को तल लें और किसी प्लेट में निकाल लें।
- इसी कड़ाही में बाकी घी डालकर आटे को हल्का ब्राउन होने तक भून लें।
- इसके बाद कड़ाही में 1चम्मच घी डाल कर, गुड़ को पिघला लें और चाशनी बना लें।
- गुड़ की चाशनी में, जीरा पाउडर, सोंठ पाउडर, कटे हुए बादाम, काली मिर्च, दालचीनी, जायफल और इलाइची डालकर अच्छी तरह मिला लें।
- अब इसमें भुनी हुई मेथी, भुना आटा, भुना गोंद डासकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- इस मिश्रण से अपनी पसंद के आकार के लड्डू बनाकर रख लें. लड्डू को थोड़ी देर के लिए हवा में खुला रहने दें।
- बाद में किसी एअर टाइट डब्बे में सभी लड्डू को भरकर रख लें।आप इन्हें दूध से रोज सुबह शाम खाएं।
- आप चाहें तो लड्डू में गुड़ की जगह पर चीनी या बूरा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अपने पसंद के हिसाब से लड्डू में कोई मेवा कम या ज्यादा भी कर सकते हैं।
- मेथी के लड्डू खाने से आपको जोड़ों के दर्द, कमर दर्द और सर्दी में आराम मिलेगा।

6 साल बाद विराट कोहली ने की इंटरनेशनल मैच में गेंदबाजी

पांड्या के जख्मी होने पर संभाली गेंद

पुणे (एजेंसी)। पुणे के मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट विश्व कप 2023 के तहत खेले गए मुकाबले में हार्दिक पांड्या के जख्मी होने के बाद भारतीय स्टार विराट कोहली ने गेंद थामी। हार्दिक जब चोटिल हुए तब तक वह अपनी पारी के 3 ही गेंद फेंक पाए थे। कोहली ने इसके बाद इस ओवर को पूरा किया। क्रिकेट दर्शकों को अक्सर विश्व कप के दौरान ही कोहली की गेंदबाजी देखने को मिलती है।

विराट कोहली विश्व कप मैच में गेंदबाजी करते हुए

0/6 (1) बनाम ऑस्ट्रेलिया, अहमदाबाद, 2011 क्वार्टरनर फाइनल मुकाबला
0/6 (1) बनाम एसएल, मुंबई डब्ल्यूएस, 2011 फाइनल मुकाबला
0/7 (1) बनाम ऑस्ट्रेलिया, सिडनी, 2015 सेमीफाइनल मुकाबला

विश्व कप के बाद विराट ने 2017 में आरपीएस, कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच में गेंदबाजी की थी। विराट के नाम वनडे और टी20 में 4-4 विकेट दर्ज हैं। वह आईपीएल के 237 मुकाबलों में भी 4 विकेट ले चुके हैं। बहरहाल, कोहली ने मैच के दौरान केवल 3 गेंदें ही फेंकी जिसपर उन्होंने 2 रन दिए। बांग्लादेश के कप्तान शांतो ने पुणे के मैदान पर टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी चुनी थी। बांग्लादेश की शुरूआत अच्छी रही क्योंकि तंजीद हसन और लिटन दास ने शुरूआती ओवर रक्षात्मक तरीके से खेलने के बाद फिर जोरदार शॉट लगाए। तंजीद इस दौरान फॉर्म में नजर आए। उन्होंने कुलदीप यादव की गेंद पर पगबाधा आऊट होने से पहले 43 गेंदों पर पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से 51 रन बनाए।

विश्व कप में अब तक के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी हैं कोहली

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व कप में भारत की शानदार शुरुआत ने विरोधी टीमों के पसीने छुड़ा दिए हैं। वहीं अब तक के टूर्नामेंट में मैदान पर विराट कोहली सबसे बेस्ट खिलाड़ी रहे हैं।

आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार कोहली ने भारत के लिए तीन मैचों में कुल तीन कैच लपके हैं। गैर-विकेटकीपरों न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी डेविड वार्नर की तुलना में दो कम, लेकिन मैदान पर उनका प्रभाव उससे कहीं अधिक है। इवेंट में सभी टीमों के लिए तीन मैचों के दौरान बचाए गए रनों और दबाव रेटिंग की सूची में भारत का बल्लेबाजी स्टार शीर्ष पर है और उसके कुल 22.30 अंक उसे विश्व कप में फील्डिंग प्रभाव के लिए शीर्ष पर बैठाते हैं।

कोहली के निकटतम चुनौती साथी दिग्गजों की एक जोड़ी है, जिसमें इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट (चार कैच) और वार्नर (पांच कैच) उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी हैं। पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत में से प्रत्येक के दो-दो खिलाड़ी सितारों से सजे शीर्ष 10 में हैं, जबकि टूर्नामेंट के मेजबानों के पास एक और खिलाड़ी है, जो 11वें स्थान पर हैं।

इसका मतलब है कि भारत टीम रेटिंग के मामले में बेहतर है, टूर्नामेंट में अब तक उसने 14 कैच पकड़े हैं। जिसमें कुल 10 रन बचाए गए हैं, 16 दबाव वाले स्थिति और अच्छे थ्रो की चौकड़ी शामिल है।

भारत ने शुरुआती तीन मैचों में केवल दो कैच ड्रॉप किए हैं, जबकि मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड (एक) एकमात्र ऐसी टीम है जिसने कम कैच छोड़े हैं।

टूर्नामेंट के मेजबान अब तक प्रत्येक मैच में अपने सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक को स्वर्ण पदक प्रदान करते रहे हैं, कोहली ने कार्यक्रम की शुरुआत में पांच बार के विश्व कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर भारत की प्रभावशाली जीत के दौरान गोल्ड जीता था। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के मैच के दौरान सीमा पर उनके शानदार कैच के लिए पुरस्कार मिला, जिसने रहमानुल्लाह गुरबाज़ को आउट करने में मदद की जबकि अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ संघर्ष के बाद यह पुरस्कार जीता।

टेनिस को अलविदा कहने का अभी मेरा कोई इरादा नहीं है: वीनस विलियम्स

नई दिल्ली। विश्व नंबर की पूर्व एक टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स ने कहा है कि उनका अभी टेनिस को अलविदा कहने का कोई इरादा नहीं है वह अगले वर्ष मार्च में होने वाली प्रतियोगिता में वापसी का लक्ष्य बना रही हैं। विलियम्स ने हाल ही में टेनिस एक साक्षात्कार में कहा उन्होंने अगले वसंत में वापसी का लक्ष्य रखा है। विलियम्स ने कहा कि मैंने यूएस ओपन के लिए ठीक होने का पूरा प्रयास किया। मैं फॉर्म में नहीं हूं इसलिए अब मैं वापस आने तक आराम कर रही हूं। मैं मार्च को लक्ष्य बना रही हूं, तभी टूर्नामेंट वापस जाएंगे, इसलिए मेरा लक्ष्य है जब यूएस ओपन टूर्नामेंट वापस आएंगे तो यह शुरु होगा। उल्लेखनीय है कि विलियम्स ने विंबलडन में दुर्भाग्यपूर्ण हार के बाद तीन स्पर्धाएं खेली। वह मॉन्ट्रियल में पहले दौर में हार गई, और झेंग किनवेन से हारने से पहले चार साल में अपनी पहली शीर्ष 20 जीत के लिए सिनसिनाटी में शुरुआती दौर में वेरोनिका कुडरमेतोवा को हराया। सीजन का उनका आखिरी मैच यूएस ओपन के पहले दौर में बेल्जियम ग्रीट मिन्नेन से 6-1, 6-1 से हार गया था। टूर्नामेंट में 100 करियर मैचों में यह विलियम्स की यूएस ओपन की सबसे एकतरफा हार थी। विलियम्स ने 2023 में सात इवेंट खेले। साल की पहली स्पर्धा ऑकलैंड में एएसबी क्लासिक में चोट लगने के कारण उनका कार्यक्रम लगभग छह महीने तक बाधित रहा।

शमी और अश्विन के सेलेक्शन पर पूर्व चीफ सेलेक्टर का बयान, कहा-

दोनों खिलाड़ियों से पूछें प्रतिष्ठा जरूरी या वर्ल्ड कप जीतना?

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा समय में वर्ल्ड कप 2023 के मुकाबले खेले जा रहे हैं। फिलहाल अभी तक भारत ने तीन मुकाबले खेले हैं जिसमें उसे बेहतरीन जीत हासिल हुई है। वहीं भारत अपना अगला मैच बांग्लादेश के खिलाफ पुणे में खेल रहा है। इस मुकाबले को टीम इंडिया जीतकर सेमीफाइनल का टिकट कटाने के करीब पहुंच जाएगी। वहीं आर अश्विन और मोहम्मद शमी को अभी तक टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला है। जिसे लेकर पूर्व चीफ सेलेक्टर एमएसके प्रसाद ने बयान दिया है, जो रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ के आलोचकों को पसंद नहीं आएगा।

दरअसल, एमएसके ने कहा कि, अश्विन और शमी दोनों इस सिलेक्शन से नाखुश भी नहीं होंगे। अगर आप अश्विन से पूछेंगे तो वह भी टीम प्रबंधन के फैसले से सहमत होंगे। हमें वर्ल्ड कप जीतना है न कि किसी खिलाड़ी का कद के लेवल पर सिलेक्शन करना है। अगर हम प्रतिष्ठा पर जाएं तो सिराज को नहीं खेलना चाहिए, शमी को खेलना चाहिए। ये टीम बहुत अच्छी है।

उन्होंने कहा कि, हर किसी ने इसे स्वीकार किया हुआ है। एक फैन के रूप में मुझे शमी को बाहर बैठे देखकर दुख होता है लेकिन अगर मैं कप्तान के नजरिए से देखूं तो वह जो निर्णय ले रहे हैं। वह शानदार हैं, वह प्रतिष्ठा पर नहीं जा रहे हैं। मैदान और कंडीशन को लेकर ये फैसला किया जा रहा है। वहीं अगर आप उनसे पूछेंगे तो वो भी यही कहेंगे कि वर्ल्ड कप चाहिए और जीत के लिए खेलना है।

भगवंत सिंह मेमोरियल बास्केटबॉल ट्रॉफी: विवेक हाई स्कूल की टीम सेमीफाइनल में पहुंची

चंडीगढ़। विवेक हाई स्कूल, चंडीगढ़ की अंडर-17 बॉयज टीम ने यादवेंद्र पब्लिक स्कूल को 50-26 से हराकर सरदार भगवंत सिंह मेमोरियल बास्केटबॉल ट्रॉफी (बीएसएमबीटी) के 9वें संस्करण के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बुधवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में विवेक हाई स्कूल के खिलाड़ी उदेश ने 20 अंक बनाए और अपनी टीम के लिए शीर्ष स्कोरर रहे।

इसी वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, विवेक हाई स्कूल, मोहाली ने भी दिल्ली पब्लिक स्कूल, मोहाली को 53-17 से हराकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। इस बीच, सॉपिन्स स्कूल, चंडीगढ़ ने भी पैरागॉन स्कूल, मोहाली को 41-12 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसी वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए लर्निंग पाथ्स स्कूल, चंडीगढ़ ने स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल चंडीगढ़ को 28-9 से हराया, जिससे उसकी सेमीफाइनल में जगह पक्की हो गई।

इस बीच, गर्ल्स अंडर-17 वर्ग में सेक्रेड हार्ट स्कूल चंडीगढ़ ने विवेक हाई स्कूल, मोहाली को 42-25 से हराकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। एक अन्य सेमीफाइनल मैच में विवेक हाई स्कूल, चंडीगढ़ ने सॉपिन्स स्कूल, चंडीगढ़ को 22-8 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

बॉयज अंडर-14 वर्ग के क्वार्टर फाइनल मैच में सेंट जोसेफ स्कूल ने यादविन्द्रा पब्लिक स्कूल मोहाली को 40-29 से हराया। इसी वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, सॉपिन्स स्कूल, चंडीगढ़ ने स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल, चंडीगढ़ पर 38-33 से जीत दर्ज की। टूर्नामेंट के पांचवें दिन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 42, चंडीगढ़ में कुल आठ (8) मैच खेले गए। मेजबान विवेक हाई स्कूल, मोहाली के बास्केटबॉल कोर्ट में आठ(8) मैच खेले गए।

इधर, बॉयज अंडर-14 वर्ग के क्वार्टर फाइनल मैच में लर्निंग पाथ्स स्कूल, मोहाली ने सॉपिन्स स्कूल, मोहाली को 32-18 से हराया। विवेक हाई स्कूल, मोहाली ने एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मोहाली पर 28-6 के बड़े अंतर से शानदार जीत दर्ज की। इस बीच, गर्ल्स अंडर-14 में प्रतिस्पर्धा करते हुए, विवेक हाई स्कूल, मोहाली ने गुरु नानक पब्लिक स्कूल, सेक्टर 36, चंडीगढ़ को 23-6 से हराकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

गर्ल्स अंडर-12 वर्ग में लर्निंग पाथ्स स्कूल, मोहाली ने स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल, चंडीगढ़ को 24-4 से हराया। इसी वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए विवेक हाई स्कूल, मोहाली ने सॉपिन स्कूल चंडीगढ़ को 14-9 से हराया। बॉयज अंडर-12 वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, विवेक हाई स्कूल, मोहाली ने स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल, चंडीगढ़ को 19-3 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। इस बीच, लर्निंग पाथ्स स्कूल, मोहाली ने भी वाईपीएस, मोहाली पर जीत दर्ज करके टूर्नामेंट की इसी श्रेणी के फाइनल में अपनी जगह बना ली। बीएसएमबीटी विवेक हाई स्कूल, मोहाली द्वारा आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम, ट्राइसिटी का सबसे बड़ा अंतर-स्कूल बास्केटबॉल टूर्नामेंट है। टूर्नामेंट का फाइनल 19 और 20 अक्टूबर को होगा। 20 अक्टूबर को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा।

संजना सांघी ने रॉकस्टार को बताया जिंदगी बदल देने वाली फिल्म

संजना सांघी ने बॉलीवुड में अच्छा नाम कमाया है। इन दिनों वह फिल्म धक धक को लेकर चर्चा में हैं। इसमें संजना ने दीया मिर्जा , फातिमा सना शेख और रत्ना पाठक शाह के साथ स्क्रीन शेयर की है। संजना को पहला ब्रेक बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट मिला था। दिलचस्प बात यह है कि उस वक्त तक संजना को खुद नहीं पता था कि वह एक्टिंग करना भी चाहती हैं या नहीं। संजना हाल ही में इम्तियाज अली की फिल्म रॉकस्टार को लेकर बात करती नजर आईं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म ने उनकी किस्मत बदल दी थी।

हाल ही में एक बातचीत के दौरान संजना से उनके उस रोल के बारे में पूछा गया, जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। इस पर संजना ने कहा, इसका जवाब देना मेरे लिए असंभव है। भारत में एक स्टार होना और एक एक्टर होना एक-दूसरे से जुड़े हैं। रॉकस्टार ने मुझे यह अहसास दिलाया कि मैं अभिनय कर सकती हूं। वहीं, दिल बेचारा ने मुझे रातोंरात घर-घर में मशहूर कर दिया। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं दर्शकों के साथ यात्रा पर हूं। संजना से जब रॉकस्टार और दिल बेचारा में से किसी एक का चुनाव करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने रॉकस्टार का नाम लिया। संजना मानती हैं कि रॉकस्टार में उनकी भूमिका के बाद वह अन्य फिल्मों का हिस्सा बन पाईं। बता दें कि इम्तियाज अली की 2011 में आई फिल्म रॉकस्टार में संजना ने हीर (नरगिस फाखरी) की बहन मैंडी का रोल अदा किया था। तब उनकी उम्र 13 वर्ष थी। अपना अनुभव साझा करते हुए संजना ने कहा, जब आप 13 वर्ष के होते हैं, तो किसी चीज के बारे में बहुत ज्यादा नहीं जानते हैं। मुझे लगता है कि इससे मुझे मदद मिली, क्योंकि फिल्म के सेट पर मैंने कभी नहीं सोचा कि यह इम्तियाज अली हैं और ये रणबीर कपूर हैं। मैं ऐसा ही महसूस करती कि जैसे घर पर हूं। कैमरे से मुझे डर नहीं लगा। अक्सर लोग कैमरे के सामने आकर झिझकते हैं, लेकिन मेरे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। संजना ने रॉकस्टार के बाद कुछ ही फिल्मों में सपोर्टिंग रोल में काम किया है। करियर बनाने से पहले पढ़ाई पूरी करने के लिए संजना ने ऐसा फैसला लिया।

दूसरे बच्चे के जन्म के बाद एक्टिंग छोड़ेंगी अनुष्का शर्मा!

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा इन दिनों दूसरी बार प्रेग्नेंसी की खबरों से सुर्खियों में हैं। अनुष्का ने फिलहाल तो अपनी प्रेग्नेंसी पर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है, हालांकि कई वीडियोज में उनका बेबी बंप नजर आ चुका है। इस बीच अब अनुष्का का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें वो ये कहती नजर आ रही हैं कि वो शादी और बच्चे होने के बाद एक्टिंग छोड़ देंगी। अनुष्का शर्मा सालों पहले वेटरन एक्ट्रेस सिमी गरेवाल के चैट शो रेंडवू विद सिमी गरेवाल में नजर आई थीं। इस दौरान सिमी ने उसने पूछा था कि क्या आपके लिए शादी इंपोर्टेंट हैं। इसके जवाब में अनुष्का ने कहा था, बहुत जरूरी है, मैं शादी करना चाहती हूं, मैं बच्चे करना चाहती हूं और जब मैं शादी करूंगी तो मैं काम नहीं करना चाहती हूं। इसी बीच शो में उनकी मां का एक वीडियो प्ले किया गया, जिसमें वो कह रही थीं कि मुझे नहीं लगता कि अनुष्का बॉलीवुड में किसी से शादी करेगी। मैं 100त्न श्योर हूं। मैंने उसे देखा है और जानती हूं कि वो बॉलीवुड टाइप हस्बैंड नहीं चाहती है। मुझे लगता है कि वो अरेंज मैरिज करेगी। इस पर अनुष्का ने रजामंदी देते हुए कहा था कि वो अरेंज मैरिज ही करना चाहती हैं। उन्हें अपनी पसंद पर भरोसा नहीं है, लेकिन उनके पेरेंट्स की पसंद अच्छी होगी।

बेटी के लिए लिया था एक्टिंग से ब्रेक

बता दें कि अनुष्का शर्मा ने 2017 में क्रिकेटर विराट कोहली से शादी की थी। शादी के बाद अनुष्का की जीरो और सुई धागा में नजर आई हैं। हालांकि बेटी वामिका के जन्म के बाद से ही अनुष्का ने एक्टिंग करियर पर ब्रेक लगा दिया है। अब सालों बाद एक्ट्रेस चकदा एक्सप्रेस से कमबैक करेंगी। जाहिर है कि अगर अनुष्का दूसरी बार मां बनती हैं तो उन्हें फिर ब्रेक लेना पड़ेगा।

प्रेग्नेंसी रूमर्स के बीच पैपराजी से की रिक्वेस्ट

हाल ही में अनुष्का शर्मा को पैपराजी ने स्पॉट किया था। अनुष्का कार में बैठी हुई पैपराजी को देखकर तस्वीरें ना क्लिक करने की रिक्वेस्ट कर रही थीं।

आर्या रिटायर हो सकती है, लेकिन दौलत कभी नहीं

क्राइम थ्रिलर ड्रामा आर्या सीजन 3 को लेकर एक्साइटेड एक्टर सिकंदर खेर ने कहा कि उनका किरदार दौलत कभी भी रिटायर नहीं होगा, भले ही स्टोरी की डिमांड क्यों न हो। इस सीरीज में सुष्मिता सेन आर्या सरीन का किरदार निभा रही हैं। दौलत आर्या के साथ उसका मजबूत सहारा बनकर खड़ा है। उसने आर्या की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए। वह आर्या का समर्थन करने के लिए मैदान में डटा हुआ है।

आर्या के साथ अपने किरदार के संबंध के बारे में विस्तार से बताते हुए, सिकंदर ने कहा, दौलत रिटायरमेंट के बारे में नहीं सोच सकता क्योंकि जब तक आर्या है, दौलत भी रहेगा। मैं दौलत को सिकंदर के रूप में महसूस करता हूं। उन्होंने कहा, कभी-कभी आप किसी के प्यार में इतनी गहराई तक डूब जाते हैं कि आपको कुछ समझ ही नहीं आता। आप यह भी नहीं जानते कि आप उस व्यक्ति से प्यार क्यों करते हैं।

मिलन टॉकीज फेम एक्टर ने कहा, हो सकता है कि वे आपसे प्यार न करें, लेकिन आपका प्यार बढ़ता रहता है। जिस तरह जानवर निस्वार्थ प्यार करते हैं, ठीक उसी तरह दौलत भी आर्या से प्यार करता है। वह जानता है कि वह कभी रिटायर नहीं होंगे; आर्या हो सकती है, लेकिन दौलत कभी नहीं। तीसरे सीजन में, आर्या की नज़र नशीली दवाओं की आपूर्ति और परिवहन पर है, लेकिन इला अरुण उसे रोक लेती है, जो खुद इस खेल निर्विवाद रानी है।

टाइगर श्रॉफ सबसे ज्यादा अपनी बहन से डरते हैं, बोले- बहन की वजह से एक्शन फिल्मों में आया

टाइगर श्रॉफ ने अपनी फिल्म 'गणपत' के प्रेस कांफ्रेंस में बताया वो सबसे ज्यादा अपनी बहन से डरते हैं। उन्होंने कहा 'मेरी बहन मुझे बहुत मारती है।' बचपन से हम लोग बहुत मार-पीट करते आ रहे हैं। शायद उसकी वजह से ही मैं आज एक्शन फिल्में ज्यादा करता हूं। उन्होंने अपने फैंस को अपना सबसे फेमस डायलॉग सुनाया। उन्होंने कहा मुझए नहीं पता ये डायलॉग इतना फेमस क्यों हुआ। मुझे बहुत खुशी है कि ये इतना फेमस हुआ। वहीं उन्होंने कृति सेनन को कह छोटी बच्ची अब सुपरस्टार हो गई है। टाइगर ने कृति को नेशनल अवॉर्ड के लिए बधाई दी। उन्होंने आगे कहा, 'कृति के साथ काम करना बहुत अच्छा एक्सपीरियंस रहा है। वह बिल्कुल नहीं बदली हैं। वह अब इतनी बड़ी स्टार बन चुकी हैं लेकिन अभी भी बिल्कुल वैसी ही हैं जैसी हीरोपंती के दौरान थीं। हमने 9 साल बाद एक-दूसरे के साथ काम किया। फिर भी, ऐसा लग रहा था जैसे हमने अभी एक दिन पहले ही एक-दूसरे के साथ काम किया हो। बाद में, सारा जमाना पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, टाइगर ने खुलासा किया, यह उतना मजेदार नहीं था। दरअसल हर शॉट के बाद मैं बाथरूम जाता था क्योंकि मुझे लूज मोशन हो गए थे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के कीर्ति नगर में फर्नीचर की दुकान में लगी आग, दमकल की 17 गाड़ियां मौके पर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कीर्ति नगर में भीषण आग लगी है। यह आग कीर्ति नगर के एक फर्नीचर दुकान में लगी है। इस अगलगी का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में नजर आ रहा है दुकान में लगी आग की लपटे काफी ऊपर उठ रही हैं। वीडियो में नजर आ रहा है कि इस विकराल आग को देख कर लोग चकित हैं और वहां काफी शोर-शराबा मचा हुआ है। इस आग को काबू करने के लिए दमकल विभाग की 17 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है। फर्नीचर की दुकान में यह आगे कैसे लगी अभी इसके बारे में कोई विशेष जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल आग को बुझाने की कोशिशें की जा रही हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट में यह कहा जा रहा है कि दुकान के अंदर मौजूद सभी कर्मचारियों को बाहर निकाल लिया गया है। आग लगने की घटना के बाद वहां किस तरह अफरातफरी की स्थिति मच गई इसे इस वीडियो में देखा जा सकता है। इस अगलगी में कितना नुकसान हुआ है अभी इसका आंकलन नहीं हो सका है। बता दें कि इससे पहले बुधवार को यानी आज ही दिल्ली के बवाना इलाके में एक फैक्ट्री में आग लग गई थी। फैक्ट्री में भीषण आग लगी थी और इसका जो वीडियो सामने आया था उसमें फैक्ट्री से निकल रही आग की लपटों को धुएं के बवंडर को देखा जा सकता था। इस आग को बुझाने के लिए 20 से ज्यादा दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। स्थानीय लोग भी दमकल कर्मियों की लगातार मदद कर रहे थे ताकि इस भीषण आग पर काबू पाया जा सके। स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची थी।

दिल्ली में फिर प्रदूषण बढ़ने की चेतावनी, इलाके की हवा सबसे खराब

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बीते दिनों बारिश होने से हवा साफ हो गई थी। लेकिन मौसम बदलते ही एकबार फिर प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को प्रदूषण बढ़ गया। दिल्ली के न्यू मोती बाग का इलाका सबसे प्रदूषित रहा। मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 86 (संतोषजनक श्रेणी) में था, वहीं बुधवार को यह बढ़कर 126 पर पहुंच गया। इस स्तर की हवा मध्यम श्रेणी में आता है। मौसम विभाग का कहना है कि तीन दिन बाद दिल्ली को एकबार फिर प्रदूषण की मार से जूझना पड़ सकता है। चार दिनों से हवा की गुणवत्ता मध्यम एवं संतोषजनक श्रेणी में है। विशेषज्ञों का मानना है कि रविवार तक फिर हवा खराब श्रेणी में चली जाएगी। इस कारण वायु गुणवत्ता आयोग ने फिलहाल ग्रैप के पहले चरण को नहीं हटाया है। बुधवार को न्यू मोती बाग में वायु गुणवत्ता सूचकांक 239 दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम प्रदूषित क्षेत्र जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम रहा। वहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 89 दर्ज किया गया। दिल्ली में एक दर्जन से ज्यादा ऐसे क्षेत्र रहे, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक संतोषजनक श्रेणी में दर्ज किया गया। मौसम विभाग की ओर जारी आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में दो दिनों तक अधिकतम तापमान में चार डिग्री की गिरावट के बाद बुधवार को तापमान चार डिग्री तक बढ़ गया। हालांकि वातावरण में ठंडक बरकरार है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में अगले तीन दिनों तक सुबह में हल्की धुंध नजर आ सकती है। दिल्ली में अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान के 31 से 32 डिग्री रहने के आसार हैं। दिल्ली में फिलहाल सुबह-शाम को ठंडक रहेगी। हवा की रफ्तार 10 से 12 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने के आसार हैं।

दिल्ली में ईसाई पत्नी का हिंदू पति ने कर दिया कत्ल, चर्च का भी कनेक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के अंबेडकर नगर में 52 साल से के शख्स ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। पति हिंदू है जबकि उसकी पत्नी ईसाई है। लव मैरिज करने वाले कपल में काफी समय से रिश्ता ठीक नहीं था। पत्नी के चर्च जाने पर भी पति आपत्ति जाहिर करता था। बेटे की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक बुधवार सुबह अंबेडकर नगर थाना क्षेत्र के एएएच अस्पताल से फोन पर सूचना दी गई कि 50 साल की एक महिला को लाया गया है, जिसकी मौत हो चुकी है। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि महिला को उसके पति वेद प्रकाश ने भर्ती कराया जोकि 52 साल का है और मदनगीर में रहता है। महिला के चेहरे और शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। शरीर पर कई जगह नाखून भी लगे थे।

रैपिड रेल के पास घर-दुकान बनाने का सपना होगा पूरा

नईदिल्ली, एजेंसी। आवासी विकास परिषद की वसुंधरा योजना की सीमा के दायरे में रैपिड एक्स रूट के दोनों तरफ ट्रांजिट ओरिएंटेड डवलपमेंट (टीओडी) जोन होगा। इस रूट के किनारे तय दायरे में मिश्रित भू उपयोग करते हुए आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियां हो सकेंगी। लखनऊ में बुधवार को आवास विकास परिषद की बोर्ड बैठक हुई। इसमें टीओडी जोन पर मोहर लग गई। इसपर मोहर लगते ही वसुंधरा योजना के सेक्टर सात और आठ में रैपिड एक्स के दोनों तरफ की जमीन मिश्रित भू उपयोग के लिए प्रयोग हो सकेगी।

करीब 80 एकड़ जमीन इसके दायरे में आएगी, जिसपर आवास विकास योजनाबद्ध तरीके से विकास कर सकेगा। इसके दायरे में आए क्षेत्र में अब व्यवसायिक और आवासीय योजनाएं दोनों एकसाथ तैयार होगी। ऐसे में यहां घर, काम्प्लेक्स, मॉल, दफ्तर, ग्रुप हाउसिंग, अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, बाजार, रेस्टोरेंट,

आदि भी खोले जा सकते हैं। इसके विकसित होने से आवास विकास परिषद को भी फायदा होगा। उसे इस क्षेत्र में नक्शे पास करने से आय अर्जित होगी। बोर्ड बैठक में वसुंधरा योजना में रैपिड एक्स के दोनों तरफ 80 एकड़ जमीन को मंजूरी मिल गई है। इस क्षेत्र को विकसित करने के लिए अब आवास विकास नए सिरे से प्लानिंग करेगा। ताकि इसकी योजना तैयार कर उसे भी फायदा हो सके। अधिकारी बताते हैं कि अब इस क्षेत्र को प्लानिंग कर तैयार करेंगे। आवास विकास परिषद ने इन्वेस्टर समिट के दौरान वसुंधरा और सिद्धार्थ विहार योजना में करीब 2800 करोड़ के निवेश की योजना बनाई थी। इसमें वसुंधरा के सेक्टर सात और आठ को शामलि किया गया था। ऐसे में आवास विकास परिषद पूर्व में भी इसे विकसित करने का ब्लू प्रिंट तैयार कर चुका है। योजना के रैपिडएक्स से टीओडी जोन में नक्शा पास कराने के लिए भू-स्वामी को एनसीआरटीसी से एनओसी लेकर आवास विकास परिषद में जमा करनी होगी। इसके बाद परिषद टीओडी क्षेत्र में किसी भी प्रोजेक्ट का नक्शा पास करेगा। नक्शा स्वीकृति शुल्क जो भी जमा होगा।

'फेसबुक पर लड़की से उम्र का सर्टिफिकेट नहीं मांग सकते', दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया से बढ़ते प्रेम संबंधों को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि जब एक 19 वर्ष का लड़का फेसबुक पर किसी लड़की से मित्रता करता है तो वह उससे उसकी उम्र का प्रमाणपत्र नहीं मांग सकता। पीठ ने यह विचार बलात्कार और बाल यौन शोषण रोकथाम अधिनियम (पॉक्सो) के तहत दर्ज एक मामले के आरोपी को राहत देते हुए व्यक्त किए।

न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि सोशल मीडिया पर इस तरह के संबंध बनने की एक बाढ़ सी आ गई है। यहां परखना मुश्किल होता है कि दूसरी तरफ से दोस्ती का हाथ बढ़ाने वाला शख्स कितनी उम्र का है। पीठ ने यह भी माना कि जब सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाने वाला खुद प्रोफाइल पर अपनी उम्र 18 वर्ष बताए तो यह अंदाजा कैसे लगाया जा सकता है कि वह नाबालिग है।

पूरा मामला साढ़े 16 वर्ष की लड़की से दोस्ती, बलात्कार और बाल यौन शोषण का है। आरोपी की उम्र भी घटना के समय महज 19 साल थी। ऐसे में पीठ ने आरोपी को जमानत देते हुए कहा कि आरोपी और पीड़िता दोनों पहले फेसबुक पर दोस्त बने। दोनों उम्र की प्राथमिक दहलीज पर थे। ऐसे में वर्तमान हालात को देखते हुए आरोपी को जमानत दी जा रही है।

पिता ने 25 मई 2021 को बेटी के लापता होने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जांच में पता चला कि दोनों की दोस्ती फेसबुक से हुई थी। लड़की ने आरोपी पर बहकाने और दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। बचाव पक्ष की तरफ से एक मुद्दा और उठाया गया। दरअसल, लड़की की बरामदगी 7 जून 2021 को हुई थी। उसने पुलिस को धारा 161 के तहत दिए बयानों में आरोपी पर किसी तरह का आरोप नहीं लगाया, लेकिन दो दिन बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष दुष्कर्म का आरोप लगाया था। इतना ही नहीं उसने कहा कि आरोपी को जमानत दी जाती है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है।

बांझ दंपत्ति को सरोगेसी के लाभ से वंचित करना उनके मूल अधिकार का उल्लंघन: हाईकोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि बांझ दंपत्ति को सरोगेसी (किराए की कोख से जन्म) के लाभ से वंचित करना प्रथम दृष्टया माता-पिता बनने के उनके मूल अधिकार का उल्लंघन है क्योंकि यह उन्हें विधिक और चिकित्सकीय रूप से विनियमित प्रक्रियाओं और सेवाओं तक पहुंच से रोकता है।

उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी सरोगेसी कानून में संशोधन से चिंतित एक विवाहित जोड़े की याचिका पर की। दरअसल केन्द्र सरकार ने सरोगेसी (विनियमन) नियम 2022 में संशोधन कर 14 मार्च को एक अधिसूचना जारी की थी। इस संशोधन के जरिए बांझ दंपत्ति को सरोगेसी के लाभ से वंचित कर दिया गया था।

याचिकाकर्ता दंपत्ति ने कहा कि केन्द्र सरकार की उस अधिसूचना से पहले वे एक सरोगेट (किराए की कोख) की तलाश कर रहे थे क्योंकि पत्नी को बांझपन की समस्या का पता चला था। लेकिन अब उन्हें आने वाले समय में माता-पिता बनने के अधिकार से वंचित कर दिया गया है। उनका निषेचित भ्रूण कानूनी रूप से अव्यवहार्य हो गया है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली पीठ ने अपने हालिया अंतरिम आदेश में कहा कि जिन मामलों में पत्नी व्यवहार्य अंडाणु का उत्पादन करने में सक्षम है, लेकिन गर्भधारण करने में असमर्थ है, उनमें इच्छुक जोड़े कानून के अनुसार सरोगेसी प्रक्रिया का लाभ उठा सकेंगे। हालांकि, यदि पत्नी व्यवहार्य अंडाणु पैदा करने में सक्षम नहीं है, तो उन्हें सरोगेसी के माध्यम से माता-पिता बनने की अनुमति नहीं है। पीठ ने कहा कि पहली नजर में विवादित अधिसूचना एक विवाहित बांझ जोड़े को कानूनी और चिकित्सकीय रूप से विनियमित प्रक्रियाओं और सेवाओं तक पहुंच से वंचित करके माता-पिता बनने के उनके मूल अधिकारों का उल्लंघन करती है।

दिल्ली में नई ई-बसों का इंतजार और बढ़ेगा, डीटीसी की 579 बसों पर देनी है सब्सिडी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) में आने वाली 1500 बसों में से 579 बसों का इंतजार लंबा हो सकता है, क्योंकि वित्त विभाग ने इन बसों पर दी जाने वाली सब्सिडी को लेकर आपत्ति जताई है। दरअसल, परिवहन विभाग ने वित्त विभाग से 579 बसों पर सब्सिडी देने के लिए 285 करोड़ रुपये की मंजूरी मांगी थी। इस पर आपत्ति जताते हुए वित्त विभाग ने परिवहन विभाग से इसके लिए स्कीम बनाने की बात कही है। हालांकि, सरकार का कहना है कि सब्सिडी को लेकर कैबिनेट पहले ही मंजूरी दे चुकी है। दरअसल, सरकार को डीटीसी के लिए 1500 इलेक्ट्रिक बसें खरीदनी थी, इनमें से से 400 इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर उतारी जा चुकी है। बाकी बची 1100 बसों को इस वर्ष के अंत तक चरणबद्ध तरीके से लाया जाएगा। इन 1500 बसों में

से 921 बसों पर केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को सब्सिडी दी थी। केंद्र ने कुल 417 करोड़ की रुपये की सब्सिडी दी थी। बाकी बची हुई 579 बसों पर दिल्ली सरकार को सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था। केजरीवाल सरकार की कैबिनेट से इसे मंजूरी भी मिल चुकी है।

आधिकारिक सूत्रों की मानें तो दिल्ली परिवहन विभाग ने 579 बसों की सब्सिडी के लिए वित्त विभाग से 285 करोड़ रुपये मांगे थे। वित्त विभाग ने सब्सिडी को लेकर आपत्ति जताई है। वित्त विभाग ने परिवहन विभाग को लिखा है कि सब्सिडी के लिए अलग से स्कीम (योजना) बनानी होगी। बिना किसी मद या योजना के यह पैसा नहीं दिया जा सकता है। वहीं, परिवहन विभाग के अधिकारियों की मानें तो अगर योजना बनानी पड़ी तो ये बसें अगले वर्ष ही डीटीसी के बेड़े में शामिल हो पाएंगी। दिल्ली में वर्तमान में 7135 बसों का परिचालन किया जा रहा है। इसमें डीटीसी की 4088 बसें और क्लस्टर की 3047 बसें शामिल हैं। कुल 7135 बसों में 800 बसें इलेक्ट्रिक हैं। सरकार का दावा है कि देश में दिल्ली में सबसे अधिक इलेक्ट्रिक बसों का परिचालन किया जा रहा है। इसमें 700 डीटीसी और 100 बसें क्लस्टर योजना के तहत चल रही हैं। सरकार का कहना है कि वर्ष 2025 तक दिल्ली में 10,480 बसें होगी, जिनमें 80 फीसदी यानि 8280 बसें इलेक्ट्रिक होंगी। इसके लिए अभी तक कुल 3980 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद का वर्क ऑर्डर जारी किया जा चुका है। पहले चरण में 1500 बसें आनी हैं।

इस्तीफा दो वरना मार देंगे, अमेरिका में सिख मेयर को मिली जान से मारने की धमकी

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के पहले सिख मेयर रविंदर एस भल्ला ने आरोप लगाया है कि उन्हें कई पत्र मिले हैं जिनमें उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। बुधवार को सीबीएस न्यूज से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि मेल में उन्हें जो पत्र मिले, उनमें पहले तो उनसे इस्तीफा देने के लिए कहा गया, लेकिन फिर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी जाने लगी और उनके सिख धर्म के लिए उन्हें निशाना बनाया जाने लगा।

रविंदर एस भल्ला पहली बार 2017 में अमेरिका के न्यू जर्सी में होबोकेन सिटी के मेयर चुने गए थे। उन्होंने 2021 में फिर मेयर पद पर जीत हासिल की। अमेरिका के पहले सिख मेयर भल्ला ने सीबीएस न्यूज से बातचीत में इस बात का खुलासा किया कि उन्हें एक नहीं तीन बार जान से मारने की धमकी मिली। उन्होंने कहा, तीसरी धमकी, जो सबसे ज्यादा चौंकाने वाली थी, उसके तुरंत बाद आई और कहा गया कि यह आखिरी चेतावनी है। यदि तुमने तुरंत

इस्तीफा नहीं दिया, तो हम तुम्हें मार देंगे, हम तुम्हारी पत्नी को भी मार देंगे, हम तुम्हारे बच्चों की भी हत्या कर देंगे। एक पत्र में यह भी लिखा था- यह तुम्हें मारने का समय है। उन्होंने बताया कि उनके जीवन और उनके बच्चों और उनकी पत्नी पर बहुत अधिक क्रोध, नफरत और वास्तविक खतरे थे। उन्होंने कहा, मेरी सबसे बड़ी चिंता मेरे बच्चों के लिए थी। मैंने मेयर बनने के लिए साइन अप किया था, लेकिन मेरे बच्चों ने इस प्रकार के व्यवहार के लिए साइन अप नहीं किया था।

उन्होंने कहा, एक सिख-अमेरिकी होने के नाते, मुझे अमेरिकी होने पर गर्व है और मैं चाहता हूं कि लोगों के साथ समान व्यवहार किया जाए।

गौरतलब है कि 2019 में, भल्ला, जो न्यू जर्सी में निर्वाचित पद संभालने वाले पहले सिख हैं। उन्होंने स्वीकार किया था कि उनके और उनके परिवार के खिलाफ मौत की धमकियां दी गई थीं। उन्होंने एक बयान में कहा, यह घटना, मुझे और मेरे परिवार को जान से मारने की धमकियों के साथ, एक दुर्भाग्यपूर्ण याद दिलाती है कि हमें सुरक्षा को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

पाकिस्तान में हिंदू लड़की से अपहरण के बाद जबरन शादी

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के मीरपुरखास इलाके में रजिता कोहली नाम की एक हिंदू लड़की का अपहरण कर लिया गया और उसके अपहरणकर्ताओं से उसकी जबरन शादी करवा दी गई। अदालत में उसके बयान के बावजूद उसने अपने परिवार के साथ रहने की इच्छा व्यक्त की जबकि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने उसे सुरक्षित घर दारुल अमन भेजने का कसला किया। अल्पसंख्यक अधिकार संगठन के सह-अध्यक्ष और संस्थापक शिव काछी ने एक्स पर पोस्ट किया-एक हिंदू लड़की रजिता कोहली को अदालत में पेश किया गया। वहां पंजाब की एक मुस्लिम लड़की, जिसने किसी से शादी करने के लिए घर छोड़ दिया था, को उसके परिजनों को सौंप दिया गया लेकिन हिंदू लड़की रजिता रोती रही और कहती रही कि मैं अपने परिजनों के साथ जाना चाहती हूं पर जज साहब ने उसे जबरन आश्रयगृह भेज दिया। शिव काची ने कहा कि इस न्यायिक अन्याय पर पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट, सिंध के हाईकोर्ट और मानविधाकिर संगठनों को संज्ञान लेना चाहिए। दरअसल, पाकिस्तान में जबरन धर्म परिवर्तन कराने के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

इसी महीने पाकिस्तान से वापस भारत लौट रही अंजू, बोली- सबके सामने होगा सच

कराची एजेंसी। जुलाई महीने में बिना किसी को बताए पाकिस्तान जाने वाली अंजू इसी महीने के आखिरी में वापस भारत लौट रही है। उसका कहना है कि वह हर तरह के सवालों का सामना करने के लिए तैयार है। उसने बताया कि बस कुछ दिनों का ही इंतजार बाकी है, उसके बाद सच सभी के सामने आ जाएगा।

भारत की अंजू पहले से शादीशुदा है और अरविंद नाम का उसका पति भी है। वहीं, उसके बच्चे भी हैं, लेकिन जुलाई के मध्य में वह चोरी छिपे पाकिस्तान चली गई थी। उसकी कुछ सालों से पाकिस्तान के नसरुल्लाह से बात होती थी और धीरे-धीरे प्यार हो गया। पाकिस्तान जाकर उसने पहले अपना धर्म बदला और फिर नसरुल्लाह से निकाह कर लिया। अब वीजा खत्म होने की वजह से इस महीने के आखिरी में वह वापस भारत लौट रही है, जिसकी वजह से उस पर सभी की निगाहें लगी हुई हैं।

आजतक से बात करते हुए अंजू ने बताया कि मेरे माता-पिता और परिवार को सभी जानकारी थी। मुझे किसी से कोई मतलब बनी है। मेरे खिलाफ अरविंद ने झूठा केस दर्ज करवाया हुआ है। जब कोई मुझसे सवाल पूछेगा, मैं उसे जवाब देने के लिए तैयार हूं।

अंजू ने दावा किया कि जब वह पाकिस्तान जा रही थी तो सिर्फ एक हफ्ते के लिए जाना था। उसका प्लान कुछ और ही था, लेकिन वहां जाकर कुछ ऐसी स्थितियां पैदा हो गईं कि वह ज्यादा समय तक रुकी और नसरुल्लाह से शादी करनी पड़ी। उसने बताया, मैंने सोचा था कि नसरुल्लाह को भारत लोकर माता-पिता से मिलवाती और फिर शादी करते, लेकिन सबकुछ बहुत अचानक हो गया। उसने आगे बताया, यदि मेरे बच्चे पाकिस्तान में रहना चाहेंगे तो मैं उन्हें लेकर वापस पाकिस्तान लौट जाऊंगी, लेकिन यदि वे भारत में ही रहना चाहेंगे तो वे वहीं रहेंगे। अंजू ने बताया कि उसे पाकिस्तान में अपने बच्चों की काफी याद आती है। उसने पाक आने से पहले ही बेटे का एडमिशन भी करवाया था। बच्चों की याद की वजह से उसने कई बाद खाना तक नहीं खाया। वहीं रात-रात भर जगती भी रही। उसने कहा कि उसकी बात कोई सुनने और समझने के लिए तैयार नहीं है।

दिल्ली में फिर बढ़ा तापमान, मगर ठंडक है बरकरार

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी में तीन दिनों से तापमान में उतार-चढ़ाव जारी है। दो दिनों तक अधिकतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट के बाद बुधवार को चार डिग्री तापमान बढ़ गया। इसके बावजूद मौसम में ठंडक बनी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक सुबह के समय हल्की धुंध रह सकती है। अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। फिलहाल सुबह और शाम ठंडक बनी रहेगी। न्यूनतम तापमान में गिरावट के साथ ठंडक बढ़ेगी। वहीं, 22 अक्तूबर को कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस था। सोमवार को चार डिग्री की गिरावट के साथ 30.5 डिग्री पर पहुंचा था। मंगलवार को चार डिग्री और गिरावट आई और अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री दर्ज किया गया था। बुधवार को चार डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 30.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। यह सामान्य से दो डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 17.3 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम है। हवा की रफ्तार आठ से 12 किलोमीटर प्रतिघंटा रही।

भारत के एस-400 को टक्कर दे पाएगा पाकिस्तान? अबाबील मिसाइल के सफल परीक्षण का किया दावा

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान ने अपनी प्रतिरोधक क्षमता को और मजबूत करने के लिए अबाबील वेपन सिस्टम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने इसे लेकर बयान जारी किया। इसके अनुसार, यह परीक्षण हथियार प्रणाली के डिजाइन, तकनीकी मापदंडों और प्रदर्शन को फिर से परखने के लिए किया गया था। बयान में कहा गया कि मिसाइल सिस्टम का उद्देश्य प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना और क्षेत्र में रणनीतिक स्थिरता को बढ़ाना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अबाबील मिसाइल की अधिकतम रेंज 2200 किलोमीटर

(1400 मील) बताई जा रही है। इस तरह इतनी अधिक क्षमता वाली पाकिस्तान की यह पहली मिसाइल होगी। अबाबील 1500 किलोग्राम (3307 पाउंड) वजनी हथियार लेकर जाने में सक्षम है। इसमें 500 किलोग्राम (1102.3 पाउंड) के तीन मानक हथियार या 300 किलोग्राम (661.4 पाउंड) के 5 या 185 किलोग्राम (408 पाउंड) वजन के 8 अधिकतम हथियार शामिल हैं। केआरएल की ओर से अबाबील मिसाइल को विकसित किया गया है। इसी ने पहले तरल ईंधन से ऑपरेट होने वाली गौरी मिसाइल सिस्टम डेवलप की थी। अबाबील वेपन सिस्टम का उद्देश्य भारतीय बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणालियों को टक्कर देना बताया जा रहा है। इसका इस्तेमाल भारत के परमाणु शस्त्रागार को इस्तेमाल करने से पहले नष्ट करने के लिए जवाबी हमले में भी हो सकता है। अगर अबाबील मिसाइल की लंबाई की बात करें तो यह 21.5 मीटर है जिसका व्यास 1.7 मीटर है। यह पारंपरिक और परमाणु हथियार दोनों ही लेकर जाने की क्षमता रखती है। यहां यह बात भी ध्यान देने लायक है कि पाकिस्तानी सेना की ओर से मिसाइल प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा, रणनीतिक संगठनों के सीनियर अधिकारी, वैज्ञानिक और इंजीनियर परीक्षण के मौके पर मौजूद थे। जनरल मिर्जा ने सफल परीक्षण में योगदान देने वाले सभी लोगों के तकनीकी कौशल, समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार-उल-हक काकड़ ने रणनीतिक बलों के सभी सदस्यों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। बता दें कि पाकिस्तान ने 2021 में स्वदेशी रूप से विकसित फतह-1 गाइडेड मल्टी-लॉन्च रॉकेट सिस्टम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था। इस रॉकेट प्रणाली की मारक क्षमता 140 किलोमीटर है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।